महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जो लोग प्रसन्न मन से आगे बढ़ते हैं, उन्हें हमेशा सफलता मिलती है

वर्ष : 16 अंक : 340 | उज्जैन, शुक्रवार 22 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

'कॉकरोच जनता पार्टी' के फाउंडर कौन हैं, जिन्होंने फॉलोअर्स के मामले में भाजपा को भी पछाड़ा? AAP से रहा है नाता

नई दिल्ली/ जीएनएस। इंटरनेट मीडिया पर इन दिनों 'काकरोच जनता पार्टी'नाम तेजी से वायरल हो रहा है। राजनीतिक व्यंग्य, बेरोजगारी पर तंज और युवाओं की नाराजगी को केंद्र में रखकर शुरू हुआ यह डिजिटल अभियान कुछ ही दिनों में लाखों लोगों तक पहुंच गया। इस पूरे अभियान के केंद्र में हैं 30 वर्षीय अभिजीत दीपके, जिन्होंने CJI सूर्यकांत की एक टिप्पणी को इंटरनेट मूवमेंट में बदल दिया। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के रहने वाले अभिजीत दीपके पेशे से पॉलिटिकल कम्युनिकेशन स्ट्रैटजिस्ट हैं। उन्होंने पुणे से पत्रकारिता में ग्रेजुएशन किया और बाद में अमेरिका की बोस्टन यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशंस में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की। डिजिटल मीडिया और राजनीतिक नैरेटिव तैयार करने में अभिजीत को विशेषज्ञ माना जाता है। वह इंटरनेट मीडिया पर ट्रेंड, मीम्स और कैंपेन के जरिए लोगों तक राजनीतिक संदेश पहुंचाने का काम करते रहे हैं। अभिजीत दीपके का राजनीतिक डिजिटल कैंपेन से पुराना जुड़ाव रहा है। वर्ष 2020 से 2022 के बीच वह आम आदमी पार्टी की सोशल मीडिया टीम के साथ वालंटियर के तौर पर काम कर चुके हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2020 के दौरान पार्टी के समर्थन में इंटरनेट मीडिया पर चलाए गए मीम्स और डिजिटल नैरेटिव कैंपेन में उनकी सक्रिय भूमिका मानी जाती है। इसके अलावा वह दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग में कम्युनिकेशंस एडवाइजर के तौर पर भी काम कर चुके हैं। राजनीतिक कम्युनिकेशन और इंटरनेट मीडिया रणनीति में अनुभव रखने वाले अभिजीत अब 'काकरोच जनता पार्टी' के जरिए युवाओं की नाराजगी और डिजिटल व्यंग्य को नए अंदाज में सामने ला रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स वाला यह अभियान शुरू करने वाले अभिजीत खुद एक इंटरव्यू में यह स्वीकार कर चुके हैं कि वह भी नौकरी के लिए लगातार आवेदन कर रहे हैं। इस पूरे विवाद की शुरुआत सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान हुई एक टिप्पणी से हुई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कुछ युवाओं के व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए 'कॉकरोच' शब्द का इस्तेमाल किया था। बाद में कोर्ट की ओर से सफाई दी गई कि यह टिप्पणी आम बेरोजगार युवाओं के लिए नहीं थी, लेकिन तब तक सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस छिड़ चुकी थी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बड़ा अपडेट, अमेरिकी टीम आएगी दिल्ली

नई दिल्ली/ जीएनएस। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिकी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल अगले महीने भारत आ सकता है। गोयल ने बताया कि अंतरिम व्यापार समझौते के बिंदुओं को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की दिशा में प्रगति के लिए अप्रैल में वॉशिंगटन डीसी में भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों के बीच आमने-सामने बैठक हो चुकी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीटीए वार्ता के लिए अमेरिका के मुख्य वार्ताकार विदेश मंत्री मार्को रुबियो इस बार उनके साथ नहीं आएंगे, लेकिन रुबियो अगले महीने भारत आने की योजना बना रहे हैं। रुबियो 23 मई से चार दिवसीय भारत यात्रा पर आ रहे हैं। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी, जिसमें व्यापार, रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी को संयुक्त बयान जारी कर अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तय की थी। हालांकि, अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले ने जवाबी शुल्कों की व्यवस्था को निरस्त कर दिया, जिसे अमेरिका साझेदार देशों के साथ व्यापार समझौतों के लिए इस्तेमाल कर रहा था। इसके बाद अमेरिकी प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए व्यापार अधिनियम की धारा 122 के तहत सभी आयातों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगा दिया।

भोपाल और इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र नई सड़कों से होगा समृद्ध : मुख्यमंत्री

रिंग रोड्स निर्माण के कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में तेजी से निर्मित हो रही सड़कें नागरिकों को विकास का पूरा लाभ दिलवाने में सहयोगी हैं। इनसे 2 मेट्रोपॉलिटन क्षेत्रों भोपाल और इंदौर-उज्जैन की अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष लाभ मिलना प्रारंभ हो गया है। भविष्य में जबलपुर और ग्वालियर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र भी अधोसंरचना विकास के प्रयासों से लाभान्वित होंगे। इंदौर-उज्जैन सिक्स लेन, उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड हाई वे फोर लेन, इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड हाईवे फोर लेन बन जाने से यह सम्पूर्ण क्षेत्र विकास के नए आयामों को स्पर्श करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को मंत्रालय में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सिंहस्थ - 2028 के कुछ माह पूर्व ही सड़कों के निर्माण कार्य पूरे किए जाएं। बैठक में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अमूल्य जिंदगियां बचाने के प्रयास सराहनीय- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में सड़कों के निर्माण, नवाचारों के उपयोग और विभिन्न विधियों से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के प्रयासों में मिली सफलता सराहनीय है। लोक निर्माण विभाग अन्य विभागों के सहयोग से किसान कल्याण वर्ष में गांव से शहरों तक सब्जियां और फल लेकर आने वाले कृषकों को हेलमेट वितरण के कार्य में भी शामिल हो जिससे सड़कों पर दो पहिया वाहनों की दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। प्रदेश में मूल्यवान जिंदगियां बचाने के लिए लोक निर्माण और अन्य विभाग मिलकर कार्य करें। दुर्घटना की आशंका वाले मार्गों को चिन्हित कर निकट ही प्राथमिक उपचार केंद्र भी संचालित किए जाएं। यह कार्य विभागीय समन्वय से किया जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में वर्तमान में 481 ब्लैक स्पॉटस चिन्हित हैं। दुर्घटनाओं में कमी लाने की दृष्टि से लोक निर्माण विभाग ने निरंतर कार्य किया है। ब्लैक स्पॉटस का समाधान करते हुए रोड सेफ्टी के अंतर्गत स्कूल जोन में वाहनों की गति सीमित करने, विशेष चेतावनी संकेत लगाने, वाहनों की आवाजाही को स्पष्ट दिशा संकेतक देने, लेन अनुशासन मार्किंग, रोड मार्किंग जैसे उपाय किए गए।

निर्माण कार्यों की मंजूरी में भी नवाचार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभाग द्वारा निर्माण कार्यों की स्वीकृति की प्रक्रिया में किए गए नवाचार की जानकारी प्राप्त की। कार्य स्वीकृति से पूर्व संबंधित मुख्य अभियंता द्वारा तकनीकी उपयुक्तता और आवश्यकता का प्रमाणीकरण किया जा रहा है। इसी तरह परियोजना की वास्तविक आवश्यकता, यातायात घनत्व, भविष्य की मांग और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के स्थल विश्लेषण, पीएम गति शक्ति पोर्टल से मार्ग अलाइनमेंट, मल्टी- मॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर समन्वय और इंटर कनेक्टिविटी का परीक्षण, जीआईएस आधारित प्लानिंग और डेटा आधारित निर्णय प्रक्रिया अपनाने और नए मार्गों के लिए नेटवर्क प्लानिंग और अलाइमेंट परीक्षण के कार्य मुख्य अभियंता स्तर से अनिवार्य किए जाने से अच्छे परिणाम मिले हैं। पुल-पुलियों के सुधार, बसाहट की जगहों पर वीसी मार्ग के निर्माण और कार्यपालन यंत्री द्वारा स्थल निरीक्षण को भी अनिवार्य किया गया है।

रिंग रोड्स के निर्माण के कार्यों में तेजी- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के बड़े नगरों में निर्मित किए जा रहे रिंग रोड्स के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में जानकारी दी गई कि भोपाल पश्चिमी बायपास जिसकी लंबाई 35.6 किमी है आगामी ढाई वर्ष में पूर्ण करने का लक्ष्य है। जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन का रिंग रोड आगामी डेढ़ वर्ष में बनकर तैयार हो जाएगा। प्रदेश के अन्य मध्यम छोटे शहरों जैसे रतलाम, देवास, सागर, सतना, रीवा और कटनी जहां यातायात का दबाव बढ़ रहा है, वहां नये रिंग रोड के निर्माण की पहल की गई है। नगर निगम और अन्य एजेंसियों से समन्वय कर विद्यमान बायपास को रिंग रोड में परिवर्तित करने की योजना पर कार्य हो रहा है।

रेल्वे ओवर ब्रिज और एलिवेटेड कॉरिडोर- रेल्वे ओवर ब्रिज के निर्माण में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। भारत सरकार की पहल के अंतर्गत असुरक्षित रेल्वे क्रॉसिंग को समाप्त करने के लिए लोक निर्माण विभाग रेल्वे ओवर ब्रिज और अंडर ब्रिज का निर्माण कर रहा है। इससे यातायात जाम और दुर्घटनाओं में कमी लाने के साथ समय की बचत करने में भी मदद मिलेगी। प्रदेश में पीडब्ल्यूडी सड़कों पर 105 आरओबी बनाए गए हैं। सड़क विकास निगम के अंतर्गत 16 और एनएचएआई के अंतर्गत 25 आरओबी एवं आरयूबी मंजूर किए गए हैं। प्रदेश में एलिवेटेड कॉरिडोर के माध्यम से शहरी कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाया जा रहा है। जबलपुर में यह कार्य पूरा हो चुका है। ग्वालियर और भोपाल में तीन चौथाई कार्य पूर्ण हो चुका है। इंदौर और उज्जैन में कॉरिडोर के कार्य प्रारंभ हुए हैं।

प्रगति पथ प्रदेश की तीव्र प्रगति में होंगे सहायक- प्रदेश में छह प्रगति पथ निर्माणाधीन हैं। इनमें नर्मदा प्रगति पथ और मालवा-निमाड़ विकास पथ के कार्य क्रमशः 68 और 92 प्रतिशत पूर्ण हो चुके हैं। मध्यभारत विकास पथ का कार्य 61 प्रतिशत, बुंदेलखण्ड विकास पथ का कार्य 33 प्रतिशत पूर्ण हुआ है। विंध्य एक्सप्रेस-वे का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। अटल प्रगति पथ के निर्माण के लिए आवश्यक प्रक्रिया प्रचलन में है।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केपेसिटी बिल्डिंग सहित विभिन्न एप का प्रयोग और नए मार्गों के लिए कृषक पथ, आस्था पथ, विकास पथ जैसे अभिनव नामकरण किए जा रहे हैं। प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री सुखवीर सिंह ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से कार्यों की प्रगति से अवगत करवाया। विशेष रूप से इंदौर- उज्जैन स्टेट हाईवे 59 के 6लेन बनने और उज्जैन- जावरा हाईवे 4 लेन और इंदौर-उज्जैन हाइवे फोरलेन, वेस्टर्न भोपाल बायपास, स्टेट हाइवे 67 के नर्मदापुरम- टिमरनी खंड और सिवनी मालवा बायपास टू लेन, सागर- दमोह फोर लेन और बड़वाह- धामनोद फोर लेन सड़क परियोजनाओं की जानकारी दी गई। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री भरत यादव सहित अन्य अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

मंत्रिमंडल विस्तार में शपथ के दौरान नारेबाजी, कांग्रेस विधायक ने लगाए राहुल-राजीव गांधी के नारे; राज्यपाल ने टोका

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह में एक अलग ही दृश्य देखने को मिला। कांग्रेस विधायक दल के नेता और किलियूर से विधायक एस. राजेश कुमार ने मंत्री पद की शपथ लेते समय अचानक कांग्रेस नेताओं के समर्थन में नारे लगाने शुरू कर दिए।

राजेश कुमार आधिकारिक शपथ पढ़ रहे थे, लेकिन बीच में उन्होंने कांग्रेस नेता के. कामराज, राजीव गांधी और राहुल गांधी की तारीफ करते हुए नारे लगाए। इस पर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने तुरंत हस्तक्षेप किया और कहा, ÷यह आपकी शपथ का हिस्सा नहीं है। इसके बाद उन्हें केवल लिखे हुए शपथ पत्र को पढ़ने और निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा गया। एक अधिकारी ने भी तुरंत आगे बढ़कर उन्हें सामने रखे आधिकारिक शपथ पत्र की ओर इशारा किया। इसके बाद उन्होंने तय प्रारूप के अनुसार शपथ पूरी की।

एस. राजेश कुमार उन 23 विधायकों में शामिल थे, जिन्हें मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। इनमें 21 विधायक टीवीके (ञ्झङ्कच्य) के थे।

शपथ समारोह के दौरान एक और दिलचस्प घटना तब हुई, जब सेलम साउथ से टीवीके विधायक ए. विजय तमिलन पार्थिबन ने मंत्री पद की शपथ लेने के बाद मंच पर मौजूद मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के समर्थन में नारा लगाया। उन्होंने कहा, ÷वाझगा थलैवर, वलरगा तमिल÷ यानी ÷नेता जिंदाबाद, तमिल का विकास हो।÷

टीवीके विधायकों ने भी जताई निष्ठा- इसी तरह श्रीपेरंबदूर से टीवीके विधायक थेन्नारसु ने भी शपथ खत्म करने के बाद पार्टी और उसके नेता के प्रति अपनी निष्ठा जाहिर की। शपथ ग्रहण समारोह में हुई इन घटनाओं की चर्चा अब राजनीतिक गलियारों में तेज हो गई है। खासतौर पर राज्यपाल द्वारा बीच में टोकने की घटना को लेकर सोशल मीडिया पर भी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

योगी का बुलडोजर मॉडल अब जम्मू-कश्मीर में लागू

जम्मू/ जीएनएस। जम्मू के बाहु क्षेत्र में चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान को लेकर अब राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। प्रशासन की कार्रवाई के खिलाफ पीडीपी भी खुलकर मैदान में उतर आई है।

पीडीपी नेता और महबूबा मुफ्ती की पुत्री इल्तिजा मुफ्ती ने बाहु क्षेत्र में चली अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई को लेकर सरकार और वन विभाग पर तीखा हमला बोला। प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचीं इल्तिजा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई केवल अवैध निर्माण हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि गरीब परिवारों को उजाड़ने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने वर्षों की मेहनत और कर्ज लेकर अपने घर बनाए, उन्हें बिना वैकल्पिक व्यवस्था के बेघर कर दिया गया है। इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि कुछ दिन पहले भाजपा विधायक विक्रम रंधावा ने भी यहां आकर बयान दिया था कि यह क्षेत्र अवैध है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और नेशनल कांफ्रेंस के बीच अंदरूनी गठबंधन है, जिसके तहत वन विभाग बुलडोजर कार्रवाई कर रहा है।

दिल्ली-मुंबई में जेट फ्यूल पर VAT में कटौती, एयरलाइंस को बड़ी राहत

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के दो सबसे बड़े एविएशन हब दिल्ली और मुंबई में विमान ईंधन (एविएशन टरबाइन फ्यूल-एटीएफ) पर वैट में बड़ी कटौती की गई है।

दिल्ली सरकार ने एटीएफ पर वैट 25 प्रतिशत से घटाकर छह महीने के लिए 7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई में घरेलू उड़ानों के लिए एटीएफ पर वैट 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया है।

वैश्विक ईंधन संकट के बीच एयरलाइंस को राहत- यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है, जब ईरान युद्ध, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, रुपये की कमजोरी और बढ़ते परिचालन खर्चों के कारण एयरलाइंस पर दबाव बढ़ गया है।

बिहार में 150 साल का रिकॉर्ड तोड़ सकता है सुपर एल-नीनो, मानसून बिगड़ा तो सूखा; भीषण गर्मी और महंगाई बढ़ाएगी मुश्किल

नई दिल्ली/ जीएनएस। दुनिया भर में इन दिनों 'सुपर एल-नीनो' को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि साल 2026 में बेहद खतरनाक एल नीनो की स्थिति बन सकती है, जिसका असर पूरी दुनिया के मौसम पर पड़ेगा।

कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि यह पिछले 150 सालों के रिकॉर्ड को भी तोड़ सकता है।

अगर ऐसा हुआ तो इसका असर सिर्फ बारिश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि खेती, पानी, बिजली और लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी भी प्रभावित हो सकती है।

आखिर क्या होता है एल-नीनो- एल नीनो एक प्राकृतिक जलवायु प्रक्रिया है, जिसमें प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है।

इससे दुनिया भर के मौसम का संतुलन बिगड़ने लगता है।

सामान्य स्थिति में भारत में मानसून मजबूत रहता है, लेकिन एल-नीनो आने पर बारिश कमजोर पड़ सकती है।

इसका सबसे ज्यादा असर उन राज्यों पर पड़ता है, जहां खेती बारिश पर निर्भर करती है। बिहार भी उन्हीं राज्यों में शामिल है।

बिहार में कमजोर पड़ सकता है मानसून- विशेषज्ञों का कहना है कि अगर सुपर एल-नीनो सक्रिय हुआ तो बिहार में सामान्य से कम बारिश हो सकती है।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बड़ी बैठक, क्या है मीटिंग का एजेंडा?

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी गुरुवार को नई दिल्ली के %सेवा तीर्थ% में मंत्रिपरिषद की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक इस साल की मंत्रिपरिषद की पहली बैठक है, जिसमें कैबिनेट के प्रमुख सदस्य शामिल होंगे। बैठक में शासन, नीतियों के क्रियान्वयन की समीक्षा के साथ-साथ कैबिनेट फेरबदल की अटकलें भी चर्चा का विषय बन सकती हैं।

मीटिंग का क्या है एजेंडा- शाम 4ः30 बजे शुरू होने वाली यह बैठक चार से पांच घंटे तक चलने की संभावना है। सभी कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री और अन्य राज्य मंत्री इसमें हिस्सा लेंगे।

सूत्रों के अनुसार, बैठक का मुख्य फोकस विभिन्न मंत्रालयों के कामकाज, प्रमुख निर्णयों, उनके परिणामों और आने वाले महीनों की प्राथमिकताओं पर होगा।

सभी मंत्रालयों ने पहले ही कैबिनेट सचिवालय को पिछले दो वर्षों के सुधार उपायों का विवरण और पिछले 12 वर्षों की सफल योजनाओं की सूची सौंपी है। बैठक में इन रिपोर्टों पर विस्तृत चर्चा होने की उम्मीद है।

ईरान युद्ध और आर्थिक संकट पर होगी बात- प्रधानमंत्री मोदी मिडिल ईस्ट में चल रहे संकट और ईरान युद्ध पर भी विचार करेंगे। इस युद्ध का भारत पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभावों- खासकर ऊर्जा कीमतों और व्यापार प्रवाह- पर चर्चा हो सकती है।

मंत्रालयों को नागरिकों को होने वाली किसी भी असुविधा को कम करने के निर्देश दिए जा सकते हैं। ऊर्जा, कृषि, उर्वरक, विमानन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान रहेगा।

PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, आम लोगों के हित में सभी क्षेत्रों में सुधार लाने की सरकार की प्राथमिकता पर जोर दिया जाएगा।

12 वर्ष पूरे होने पर सरकार का मंथन - यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब प्रधानमंत्री मोदी सरकार 9 जून को अपने 12 वर्ष पूरे कर लेगी। बैठक में इन सालों के कामकाज पर एक रिपोर्ट भी पेश की जाएगी। प्रधानमंत्री ने पहले ही अगले 10 वर्षों के सुधारों की रूपरेखा तैयार की है, जिसमें रिफॉर्म एक्सप्रेस से आमूलचूल बदलाव और आम नागरिकों को लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया है। बता दें मंत्रिपरिषद की पिछली बैठक 4 जून 2025 को हुई थी।

इबोला के बढ़ते खतरे के बीच टला भारत-अफ्रीका शिखर सम्मलेन, दिल्ली में होना था कार्यक्रम

नई दिल्ली/ जीएनएस। दक्षिण अफ्रीका के कुछ भागों में इबोला वायरस से बढ़ते प्रकोप को देखते हुए भारत और अफ्रीकी संघ के बीच होने वाले शिखर सम्मलेन को रद कर दिया गया। यह आयोजन 28 मई 2026 को नई दिल्ली में होना था। केंद्र सरकार ने गुरुवार को जारी एक बयान में इसकी जानकारी दी।

सरकार के अनुसार, अफ्रीका के कई हिस्सों में घातक इबोला वायरस के मामले सामने आए हैं। हाल ही में डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के साउथ किवु प्रांत में नए मामले दर्ज किए गए हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया है। दोनों पक्षों ने स्वास्थ्य स्थिति को ध्यान में रखते हुए सम्मेलन को बाद की तारीख पर करने का निर्णय लिया। नई तिथियां आपसी विचार-विमर्श के बाद तय की जाएंगी।

भारत और अफ्रीकी संघ की अध्यक्ष और अफ्रीकी संघ आयोग के बीच हुई चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने अफ्रीका में सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत करने, अफ्रीका CDC और संबंधित राष्ट्रीय संस्थानों को समर्थन देने पर सहयोग जारी रखने का महत्व दोहराया। भारत में अभी तक इबोला का कोई मामला रिपोर्ट नहीं हुआ है। फिर भी केंद्र सरकार ने पूरे देश में निगरानी और तैयारियों को बढ़ा दिया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिए गए हैं कि वे हवाई अड्डों पर प्री-अराइवल और पोस्ट-अराइवल स्क्रीनिंग, क्वारंटाइन प्रोटोकॉल, केस मैनेजमेंट, रेफरल मैकेनिज्म और लैब टेस्टिंग के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं सुनिश्चित करें।

नवनियुक्त अध्यक्ष श्री जैन ने संभाला मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल का कार्यभार

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री विजयवर्गीय की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ प्रभार हस्तांतरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की गरिमामयी उपस्थिति में मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री ओम जैन ने पदभार ग्रहण किया।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि मंडल को एक अत्यंत अनुभवी और योग्य नेतृत्व प्राप्त हुआ है। अध्यक्ष श्री जैन के दीर्घ प्रशासनिक अनुभव, विजन और कुशल मार्गदर्शन में मंडल के विकास कार्यों को एक नई गति और ऊँचाई मिलेगी।

लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण और सर्वसमावेशी आवास का संकल्प- मंत्री श्री विजयवर्गीय ने मंडल के आगामी लक्ष्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश के बड़े महानगरों में बड़े प्रोजेक्ट्स का क्रियान्वयन किया जाना है। हमारा मुख्य ध्येय मध्यम और निम्न-मध्यम श्रेणी के परिवारों के लिए सर्वसुविधायुक्त मकान निर्मित करना है। बड़े शहरों में मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए स्वयं का आशियाना बनाना मुश्किल कार्य हो गया है, इसलिए मंडल को पूरी शुचिता और लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण के साथ कार्य करना होगा। %नए भारत के संकल्प% के अंतर्गत, देश की आजादी के 100वें वर्ष तक हर नागरिक को गरिमापूर्ण आवास उपलब्ध कराना हमारा ध्येय है।

अनुभव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से होगा कार्य- नवनियुक्त अध्यक्ष श्री जैन ने मंत्री श्री विजयवर्गीय के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि उनका लंबा राजनैतिक - प्रशासनिक अनुभव हमारे लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगा। श्री जैन ने भावुक होते हुए कहा, वर्ष 1983 से जनसेवा में सक्रिय श्री विजयवर्गीय की कार्यशैली, तन्मयता और उनका वैज्ञानिक दृष्टिकोण अनुकरणीय है। हम उनके द्वारा दिए गए समस्त निर्देशों और प्राथमिकताओं का अक्षरशः पालन करते हुए मंडल को विकास के नए प्रतिमानों पर ले जाएंगे।

अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने कहा कि यह संपूर्ण विभाग और मंडल का सौभाग्य है कि हमें मंत्री श्री विजयवर्गीय का सकारात्मक, ऊर्जावान और विजनरी नेतृत्व मिला है। उनके मार्गदर्शन के अनुरूप ही मण्डल सदस्यों ने तत्परता से कार्य किया है। अपर मुख्य सचिव श्री दुबे ने मण्डल अध्यक्ष श्री जैन को आश्वस्त किया कि मंडल के सभी सदस्य उनके साथ पूर्ण तत्परता और समर्पण भाव से कार्य करेंगे। हमारा लक्ष्य शहरी क्षेत्रों का पर्यावरण के अनुकूल, सस्टेनेबल और सुव्यवस्थित विकास करना है।

पदभार ग्रहण करने बाद अध्यक्ष श्री जैन ने मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और आगामी कार्य-योजनाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस गरिमामयी अवसर पर मंडल की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव सहित मंडल के सभी सदस्य, अभियंता और वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में इंदौर में ब्रिक्स युवा परिषद उद्यमिता कार्य समूह की बैठक संपन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ब्रिक्स युवा परिषद उद्यमिता कार्य समूह की बैठक मध्य प्रदेश के इंदौर में दो दिनों तक चली चर्चाओं, सहयोगात्मक गतिविधियों और ज्ञान-साझाकरण सत्रों के बाद सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक का उद्देश्य ब्रिक्स देशों के बीच उद्यमिता सहयोग को मजबूत करना था। भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के युवा मामले विभाग द्वारा भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता 2026 के अंतर्गत आयोजित इस बैठक में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया (वर्चुअल रूप से), युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, युवा मामले विभाग की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल, युवा मामले विभाग के अपर सचिव श्री नितेश कुमार मिश्रा, युवा मामले विभाग की निदेशक डॉ. सारा जयल सॉकमी, युवा मामले विभाग के उप सचिव श्री राजेश कुमार कनौजिया और ब्रिक्स देशों के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए युवा मामले विभाग के अपर सचिव श्री नितेश कुमार मिश्रा ने ब्रिक्स देशों में उद्यमशीलता इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए सामूहिक कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, उद्यमिता कुछ ही लोगों का विशेषाधिकार नहीं है, यह एक ऐसा अधिकार है जिस तक हर युवा व्यक्ति की पहुंच होनी चाहिए, चाहे वह किसी भी भौगोलिक क्षेत्र, जेंडर या पृष्ठभूमि का हो।

उन्होंने कहा कि युवा उद्यमियों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियां, जिनमें पूंजी तक पहुंच, डिजिटल बुनियादी ढांचा, मार्गदर्शन और नियामक समर्थन शामिल हैं, ब्रिक्स देशों में साझा चिंताएं हैं और सतत साझेदारी एवं संवाद के माध्यम से सहयोगात्मक समाधान की आवश्यकता है।

धन्यवाद ज्ञापन देते हुए, युवा मामलों के विभाग की निदेशक डॉ. सारा जयल सॉकमी ने बैठक के सफल संचालन में प्रतिनिधियों, पैनलिस्टों, मॉडरेटरों और आयोजन टीमों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, आप यहाँ केवल अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने नहीं आए हैं। आप यहां मिलकर कुछ बनाने आए हैं और इसी से सब कुछ संभव हो पाया है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव से मिलने पहुंचे विधायक महेंद्र हार्डिया बोले- मैं नाराज नहीं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जलसंकट के मुद्दे पर अपने ही दल की निगम सरकार के लिए परेशानी खड़ी करने वाले विधायक महेंद्र हार्डिया के सुर बुधवार को बदल गए। महापौर पुष्यमित्र भार्गव से मिलने विधायक उनके निवास पहुंचे।

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के साथ पहुंचे विधायक ने महापौर को दुपट्टा पहनाया। चर्चा की ओर फिर कंधे पर हाथ रखकर तस्वीर भी खिंचवाई। विधायक ने जल प्रदाय को लेकर नगर निगम द्वारा किए गए प्रबंध पर भी संतोष व्यक्त किया। साथ ही कह दिया कि बीते दिनों जो बयान दिया वो गलत जानकारी का नतीजा था।

बुधवार अलसुबह ही नगर अध्यक्ष और विधायक दोनों महापौर से मिलने पहुंच गए थे। बीत दिनों से कांग्रेस के पार्षद तो शहर में जल संकट को लेकर शोर मचा ही रहे थे लेकिन दो दिन पहले विधायक हार्डिया ने भी जल संकट की बात कहकर एक कार्यक्रम के मंच से नाराजगी जता दी थी। हार्डिया के इस बयान को विपक्षी भुनाने में जुट गए थे। इस बीच मामला भोपाल तक भी पहुंचा था। बताया जा रहा है कि पार्टी इस पर गंभीर हो गई थी। इसके बाद संगठन से निर्देश जारी हुए। महापौर ने जलप्रबंधन और टैंकरों की व्यवस्था को लेकर वार्ड और विधानसभा वार जानकारी भी हार्डिया के सामने रख दी। इसके बाद विधायक ने खुद महापौर की पीठ थपथपाई। विधानसभा क्षेत्र में जल संकट और पर्याप्त प्रबंध नहीं होने की बात तो विधायक हार्डिया ने कह दी थी। लेकिन बाद में ऊपर तक रिपोर्ट पहुंची की नगर निगम तो इस साल सबसे ज्यादा टैंकर संचालित कर रहा है।

शुक्रवार 22 मई को भोपाल में होगा जैव विविधता संरक्षण और बिग कैट संवर्धन पर होगा मंथन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026 के अवसर पर इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस प्री-समिट इवेंट का 22 मई 2026 को शुभारंभ होगा। भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम) ऑडिटोरियम, भोपाल में होने वाले इस प्री-समिट इवेन्ट में केंद्रीय पर्यावरण और वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह और वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, मध्यप्रदेश शासन, इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस तथा भारतीय वन प्रबंधन संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केन्द्रीय मंत्री श्री यादव प्रात: 9:50 पर वन विभाग द्वारा आयोजित 20 बाइक एवं एक रेस्क्यू ट्रक को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। कार्यक्रम में जैव विविधता संरक्षण, वन्यजीव संवर्धन तथा विशेष रूप से बिग कैट संरक्षण के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस के महानिदेशक डॉ. एस.पी. यादव आईबीसीए की गतिविधियों एवं उद्देश्यों पर प्रस्तुति देंगे। साथ ही मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा भारत में चीता पुनर्स्थापन अभियान पर विशेष प्रस्तुति भी दी जाएगी।

कार्यक्रम में जैव विविधता एवं संरक्षण से संबंधित अनेक प्रकाशनों और डिजिटल पहलों का विमोचन एवं लोकार्पण किया जाएगा। इनमें डाक टिकट, 'इंडियाज बायोडायवर्सिटी रिपोर्ट 2026', नागोया प्रोटोकॉल पर भारत की पहली राष्ट्रीय रिपोर्ट तथा एबीएस एंड-टू-एंड वेब पोर्टल शामिल हैं। इसके साथ ही एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग, अमरकंटक बायोडायवर्सिटी हेरिटेज साइट तथा मध्यप्रदेश के पवित्र वनों के संरक्षण पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

महू एवं मानपुर पोषण पुर्नवास केन्द्रों का किया गया औचक निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की समय पर पहचान एवं प्रबंधन संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य तथा पोषण सेवाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पोषण पुर्नवास केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। शिशु व मातृ मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाना राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में सम्मिलित है। इस उद्देश्य से प्राप्त निर्देशों के अनुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी तथा महिला बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री रजनीश सिन्हा द्वारा गत दिवस एन.आर.सी. महू तथा मानपुर का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने केंद्र में भर्ती कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं तथा चिकित्सकीय देखभाल की विस्तृत समीक्षा की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने केंद्र की टीम के साथ चर्चा करते हुए बच्चों के पोषण, उपचार एवं पुनर्वास प्रक्रिया पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। दोनों पोषण पुनर्वास केंद्रों कुल 22 बच्चे थे, जिसमें 15 मानपुर में एवं 07 महू एनआरसी के थे। महू एनआरसी में मौजूद एक शिशु की माता हेतु भी विशेष भोजन एवं अतिरिक्त पौष्टिक आहार देने हेतु भी खंड चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने सिविल अस्पताल महू के परिसर की साफ-सफाई में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर रोज नियमित सफाई, डिसइन्फेक्शन तथा शौचालयों की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए, कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने भी महिला एवं बाल विकास के मैदानी कार्यकर्ताओं की टीम को बच्चों के पोषण आहार की गुणवत्ता बनाए रखने तथा माताओं को पोषण संबंधी जागरूकता प्रदान करने के लिए निर्देशित किया एवं भविष्य में भी जिले एवं विकासखंडों के दोनों विभागों के अधिकारियों का संयुक्त भ्रमण जारी रहेगा।

'रंग दे बैकलेन' अभियान बना जनभागीदारी का प्रेरक मॉडल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में इंदौर नगर निगम द्वारा चलाया जा रहा रंग दे बैकलेन अभियान अब जनभागीदारी का प्रेरणादायी और सफल उदाहरण बनकर उभरा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशन में संचालित इस अभिनव पहल के तहत शहर की उपेक्षित और गंदगी से प्रभावित बैकलेनों को स्वच्छ, हरित और उपयोगी स्वरूप प्रदान किया गया है। इससे न केवल आसपास का वातावरण आकर्षक बना है, बल्कि नागरिकों के जीवन में भी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

अभियान के अंतर्गत शहर की विभिन्न बैकलेनों को अलग-अलग थीम पर विकसित किया गया है। ब्यूटीफुल बैकलेन थीम के तहत दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग, रंगीन चित्रकारी और कलात्मक डिजाइन तैयार किए गए, जिससे ये स्थान सौंदर्य के केंद्र बन गए हैं। वहीं ग्रीन बैकलेन के माध्यम से पौधारोपण, गमलों की स्थापना और हरित दीवारों जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देकर क्षेत्र में हरियाली और स्वच्छ वातावरण का विस्तार किया गया। यूटिलिटी एवं एक्टिविटी बैकलेन थीम के अंतर्गत योग, व्यायाम, बच्चों के खेलने और सामुदायिक गतिविधियों के लिए उपयोगी स्थान विकसित किए गए हैं।

जोन क्रमांक 21 स्थित धनवंतरी नगर की विकसित बैकलेन इस अभियान की सफलता का प्रमुख उदाहरण बनकर सामने आई है। यहां आयोजित निरीक्षण और योग गतिविधि के दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा, जिस बैकलेन में कभी रोग होता था, वहां आज योग हो रहा है। उनका यह वक्तव्य इस पहल की वास्तविक सफलता को दर्शाता है, जहां कभी गंदगी और उपेक्षा से प्रभावित स्थान अब स्वास्थ्य, स्वच्छता और सकारात्मक ऊर्जा के केंद्र बन चुके हैं।

अभियान की सबसे बड़ी विशेषता इसमें नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही। स्थानीय रहवासियों, युवाओं, सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों ने सफाई, रंगाई-पुताई, पौधारोपण और सजावट कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। नागरिकों ने स्वयं अपनी बैकलेनों को सुंदर बनाने का संकल्प लिया, जिसके चलते यह अभियान अब केवल निगम की पहल न रहकर जनआंदोलन का रूप ले चुका है।

नगर निगम के अनुसार रंग दे बैकलेन अभियान का उद्देश्य केवल सौंदर्यीकरण करना नहीं, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, जिम्मेदारी और अपने क्षेत्र के प्रति अपनत्व की भावना विकसित करना भी है। इस पहल से बैकलेनों में गंदगी, अव्यवस्था और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण हुआ है तथा इन स्थानों का सकारात्मक उपयोग बढ़ा है।

एसीपी मल्हारगंज लगातार दूसरी बार अव्वल, इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने जारी की रैंकिंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सहायक पुलिस आयुक्तों (एसीपी) के कार्यों के मूल्यांकन की मासिक रैंकिंग जारी की गई है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में शुरू की गई इस मानकीकृत मूल्यांकन प्रणाली के तहत मार्च और अप्रैल माह के कार्यों की समीक्षा विभिन्न मापदंडों पर की गई। मूल्यांकन के आधार पर ज़ोन-01 के एसीपी मल्हारगंज ने लगातार दूसरी बार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने मार्च माह में हासिल की गई अपनी शीर्ष रैंकिंग को अप्रैल माह में भी बरकरार रखा। वहीं ज़ोन-02 के एसीपी खजराना ने द्वितीय तथा ज़ोन-04 के एसीपी अन्नपूर्णा ने तृतीय स्थान हासिल किया। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट की इस मूल्यांकन प्रणाली में सभी 12 अनुभागों के एसीपी के कार्यों का विभिन्न पैरामीटर्स के आधार पर मासिक मूल्यांकन किया जाता है। इसमें अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के निराकरण, कानून व्यवस्था, जनसुनवाई, शिकायतों के निराकरण और पुलिसिंग की गुणवत्ता जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है। पुलिस कमिश्नरेट के अनुसार इस पहल का उद्देश्य पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, उत्तरदायी और जनोन्मुखी बनाना है, ताकि बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहन मिले और पुलिस व्यवस्था में प्रतिस्पर्धात्मक कार्य संस्कृति विकसित हो सके। वहीं निर्धारित मापदंडों पर सबसे कमजोर प्रदर्शन के चलते ज़ोन-02 के एसीपी विजय नगर अंतिम स्थान पर रहे।

कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव और संचालक ने इंदौर में ड्राईवर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह एवं कौशल विकास विभाग के संचालक श्री वसंत कुर्रे ने गुरूवार को इंदौर के संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था परिसर में स्थित ड्राईवर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त संचालक कौशल विकास श्री डी. एस. ठाकुर और संयुक्त संचालक कौशल विकास इंदौर संभाग श्री सतीश मोरे भी उपस्थित थे। प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह द्वारा ड्राइविंग स्कूल के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी ली गई। उन्होंने संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशिक्षणरत ड्राइवर्स एवं पीएम कौशल विकास बैच की महिला प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण संबंधित चर्चा भी की। डीटीआई प्रभारी श्री निखिल पंडित द्वारा अधिकारियों को जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान संस्था की प्राचार्य श्रीमती रीना सोलंकी, प्राचार्य वर्ग 2 श्री गौरव आर्य, संयुक्त संचालक कार्यालय से अधिकारीगण श्रीमती प्रिया बामने, श्री सचिन अग्रवाल एवं संस्था से सर्वश्री शरद शर्मा, महेश जारवाल, संजय कुमार जैन , गौरव सिंघल, अविनाश धाकड़े, सीताराम रावत एवं अन्य प्रशिक्षण अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

धार भोजशाला मामले में नया मोड़... हाई कोर्ट के फैसले में दर्ज हुआ हनुमान प्रतिमा का दावा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार की ऐतिहासिक भोजशाला मामले में आए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के विस्तृत फैसले में एक ऐसा दावा भी दर्ज हुआ है, जिसने पूरे मामले को नया धार्मिक और ऐतिहासिक आयाम दे दिया है। निर्णय में मंदिर पक्ष की ओर से यह दावा दर्ज किया गया कि भोजशाला परिसर के नीचे अब भी भगवान हनुमान की एक बड़ी प्रतिमा दबी हुई है। कोर्ट का स्वतंत्र निष्कर्ष नहीं, बल्कि याचिकाकर्ता पक्ष के तर्कों का हिस्सा- बता दें, यह कोर्ट का स्वतंत्र निष्कर्ष नहीं है, बल्कि याचिकाकर्ता पक्ष द्वारा रखे गए दावों और तथ्यों के विवरण का हिस्सा है, जिसे कोर्ट ने आदेश में रिकॉर्ड किया है।

वर्षा पूर्व निगम सख्त, जर्जर भवन हटाने और जल निकासी सुधार अभियान तेज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी वर्षाकाल को देखते हुए इंदौर नगर निगम ने शहर में स्थित जर्जर एवं खतरनाक भवनों को चिन्हित कर हटाने तथा तालाबों, जल स्रोतों और उनसे जुड़ी चैनलों की सफाई एवं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज कर दी है। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने शहर की सभी वाटर बॉडी और उनकी चैनलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित भवन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

आयुक्त श्री सिंघल ने निर्देश दिए हैं कि वर्षा पूर्व सभी तालाबों, जल स्रोतों एवं उनसे जुड़ी चैनलों का विस्तृत निरीक्षण किया जाए। जहां कहीं भी अवैध अतिक्रमण अथवा जल प्रवाह में बाधा उत्पन्न करने वाले अवरोध पाए जाएं, उन्हें तत्काल हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि वर्षा जल निकासी व्यवस्था सुचारू बनी रहे और शहरवासियों को जलभराव जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

उन्होंने सभी भवन अधिकारियों को शहर में स्थित जर्जर एवं खतरनाक भवनों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। आयुक्त ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है और संभावित दुर्घटनाओं तथा जनहानि को रोकने के लिए समय रहते जर्जर भवनों को हटाना आवश्यक है।

आयुक्त के निर्देशानुसार क्षेत्रीय भवन निरीक्षकों और भवन अधिकारियों द्वारा शहरभर में लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सभी जल स्रोतों और उनकी चैनलों का सर्वे कर अतिक्रमण चिन्हित किए जा रहे हैं तथा संबंधित स्थानों पर कार्रवाई भी लगातार जारी है।

नगर निगम द्वारा अब तक कुल 15 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 2 अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं, जबकि 5 स्थानों पर कार्रवाई प्रगति पर है। शेष अतिक्रमणों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

इसी प्रकार जर्जर भवनों के विरुद्ध की गई कार्रवाई में अब तक 2 भवन निगम द्वारा हटाए जा चुके हैं, जबकि 3 जर्जर भवनों को भवन स्वामियों ने स्वयं हटाया है। अन्य चिन्हित भवनों पर भी कार्रवाई लगातार जारी है।

18 वर्षीय युवक पर कुत्तों ने किया हमला; हुआ घायल, आसपास के लोगों ने बचाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवलखा क्षेत्र स्थित में मनीष बाग कॉलोनी उद्यान के पास बुधवार को 18 वर्षीय युवक को चार कुत्तों ने घेरा और उस पर हमला किया, जिसके कारण वह जख्मी हो गया है।

दाल मिल व्यवसायी अभय कुमार अग्रवाल ने बताया कि हाल ही सुप्रीम कोर्ट का श्वानों के संबंध में फैसला आया है, इसके अगले ही दिन मेरे परिवार में घटना हुई। मेरे 18 वर्षीय बेटे अमरेश पर श्वानों ने हमला किया। वह घर से बाहर निकला था, तभी उस पर हमला कर दिया। आसपास के लोगों की मदद से उसे बचाया गया।

परिवार के पांच सदस्यों को काट चुके हैं- इसके पहले मेरी पत्नी, ड्राइवर सहित पांच पारिवारिक सदस्यों को यह शिकार बना चुके हैं। क्षेत्र के भगवानदीन नगर, मनीष बाग, जानकी नगर में बड़ी संख्या में श्वान हो गए है। ये कुत्ते यहां दिनभर झुंड बनाकर घूमते रहते हैं और आने-जाने वालों पर लपकते रहते हैं। कई लोगों को गंभीर जख्मी कर चुके हैं। हालात यह है कि हमारा घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। रात के समय इनका आतंक ओर बढ़ जाता है। इनके अचानक लपकने से वाहन चालकों का वाहनों पर नियंत्रण खो जाता है, ऐसे में भी हादसे होने की आशंका है।

'ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को भूल गए हैं, देश में गर्मी के कारण चल रही है हीट वेव', पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक भागीदारी पर बोले पर्यावरणविद् प्रो. ज्याणी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को भूल गए हैं यही कारण है कि आज देश के अलग-अलग हिस्से में गर्मी के कारण हीट वेव चल रही है। हमारे देश में हम हर साल करोड़ों पौधे लगाते हैं, लेकिन यह ध्यान नहीं देते हैं कि उनमें से कितने पौधे पनप कर पेड़ बन पा रहे हैं। हम क्षेत्र की मांग को नजरअंदाज करते हुए अपने काम को करते हैं।

मप्र में घना जंगल होता है यहां पर एक दूसरे के पास में पेड़ लग जाते हैं और पनप जाते हैं, लेकिन राजस्थान के रेगिस्तान वाले इलाके में पेड़ों को एक दूसरे से एक निश्चित दूरी बनाकर लगाना पड़ता है। इसके लिए स्थानीय जरूरत को भी समझने की आवश्यकता है। जैव विविधता पर आने वाले नकारात्मक प्रभाव को रोकना भी हमारी जिम्मेदारी है। हमें हवा मिट्टी और पानी की चिंता करना होगी। जब हम यह चिंता करने लगेंगे तो पर्यावरण का संरक्षण होने लगेगा। यह काम किसी एक व्यक्ति के करने से नहीं होगा बल्कि हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में हमें करना होगा। ये बातें राजस्थान के प्रसिद्ध पर्यावरणविद् प्रो. श्यामसुंदर ज्वाणी ने बुधवार को कहीं। वे जाल सभागृह में अभ्यास मंडल द्वारा आयोजित 66वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला में पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक भागीदारी विषय पर श्रोताओं संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि क्लाइमेटचेंज को हमें समझना चाहिए और उसके लिए लगातार काम करना चाहिए। आज हम लोगों की जीवनशैली बदल गई है। हमारे यहां 40 प्रतिशत भूमि मरुस्थल के रूप में बदल गई है। अब यह भूमि उपजाऊ नहीं रही। पहले एक किलो यूरिया डाला जाता था, तो उससे 12 किलो धान तैयार होता था, आज एक किलो यूरिया डालने पर पांच किलो धान भी तैयार नहीं होता है। अब हमारे भोजन में गुणवत्ता नहीं है। हम भोजन करते हैं और उससे पेट भर जाता है। उसके माध्यम से शरीर का पोषण नहीं होता है। हमने विकास की पश्चिमी समझ को अपना लिया है। कृषि की संस्कृति को हम भूल गए हैं और हमारी संस्कृति से विविधता खत्म हो गई है।

त्यौहारों पर सुरक्षा और सौहार्द्र प्राथमिकता, डी.एम.नीमच ने दिए मुस्तैदी से भ्रमण और ड्रोन निगरानी के निर्देश

शांति समितियों का पुनर्गठन, फायर फाइटर्स का रिस्पांस टाइम न्यूनतम रखने पर जोर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्यौहारों के मद्देनजर जिले में कानून व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सौहार्द्र बनाए रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। बैठक में एसपी श्री राजेश व्यास ने भी आवश्यक निर्देश दिए।

डी.एम.श्री हिमांशु चंद्रा के प्रमुख निर्देश-

संयुक्त भ्रमण- सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारी अपने क्षेत्रों का संयुक्त भ्रमण कर फील्ड में मुस्तैदी से कार्य करें।

ड्रोन से निगरानी- संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर ड्रोन से निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जुलूस हेतु अनुमति- आयोजकों से नामजद वॉलेंटियर्स की सूची लेकर केवल परम्परागत जुलूस एवं मार्ग के लिए ही अनुमति जारी की जाए।

शांति समिति पुनर्गठन- शांति समितियों का पुनर्गठन कर सामाजिक रूप से प्रभावशाली, प्रबुद्धजनों को शामिल किया जाए।

फायर सेफ्टी- सभी फायर फाइटर अच्छी स्थिति में रहें एवं आवश्यकता पर न्यूनतम रिस्पांस समय में पहुंचें। एसडीएम-एसडीओपी सार्वजनिक स्थलों का संयुक्त भ्रमण कर फायर सेफ्टी नियमों का कड़ाई से पालन करवाएं।

पब्लिक अनाउंस सिस्टम- सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के वाहनों में पब्लिक अनाउंस सिस्टम उपलब्ध रहे।

एसपी श्री राजेश व्यास के निर्देश- शांति समिति की बैठक- थाना व उपखण्ड स्तर पर शांति समिति की बैठकें आयोजित कर त्यौहारों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

सूचना तंत्र- सभी अधिकारी अपने सूचना तंत्र को मजबूत बनाएं एवं सभी रूट का निरीक्षण-भ्रमण करें।

बैठक में एडीएम श्री बी.एस.कलेश, एसडीएम श्री संजीव साहू, सुश्री प्रीती संघवी, सुश्री किरण आंजना, सीएसपी सुश्री किरण चौहान, एसडीओपी जावद श्री अमित राठौर, एसडीओपी मनासा सुश्री निकिता सिंह सहित जिले के सभी तहसीलदार एवं थाना प्रभारी भी उपस्थित थे।

नीमच में राजीव गांधी को श्रद्धांजलि- कांग्रेस ने गांधी भवन में याद किए आधुनिक भारत के शिल्पकार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरुवार को गांधी भवन में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि सादगी और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी के व्यक्तित्व और उनके नेतृत्व पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने देश को आधुनिक तकनीक, कंप्यूटर और दूरसंचार क्रांति की दिशा दी। उनके कार्यकाल में भारत ने तकनीकी विकास की ओर निर्णायक कदम बढ़ाए, जिसका लाभ आज भी देश को मिल रहा है। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि राजीव गांधी युवाओं की सोच को समझने वाले नेता थे। उन्होंने पंचायत राज व्यवस्था को मजबूत किया, ग्रामीण विकास को गति दी और शिक्षा व विज्ञान के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की। वक्ताओं ने उन्हें प्रगतिशील सोच, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकास की राजनीति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उनका सपना भारत को 21वीं सदी में अग्रणी राष्ट्र बनाना था। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेसजनों ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान शहर कांग्रेस के कई पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता और कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण से बदली शिवपुरी गोस्वामी की जिंदगी, बन गए आत्मनिर्भर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम तीतरोद निवासी शिवपुरी गोस्वामी ने आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद मेहनत और प्रशिक्षण के दम पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने केवल कक्षा 6 वीं तक पढ़ाई की और उसके बाद प्लंबिंग का कार्य करने लगे, लेकिन कम आमदनी के कारण परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा था। इसी दौरान उन्हें ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) मंदसौर के बारे में जानकारी मिली, जहां रे फ्रिजरेटर एवं एसी रिपेयरिंग का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा था। उन्होंने फैकल्टी श्रीमती रवीना प्रजापति से संपर्क कर आवेदन किया और 11 जुलाई 2025 से 9 अगस्त 2025 तक 30 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें एसी और रेफ्रिजरेटर रिपेयरिंग का व्यावहारिक एवं तकनीकी ज्ञान दिया गया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद शिवपुरी गोस्वामी ने स्वयं की 10 हजार रुपये की पूंजी लगाकर आवश्यक टूल्स खरीदे और घर से ही छोटी सी दुकान शुरू की। धीरे-धीरे उन्होंने गांव-गांव जाकर एसी एवं रेफ्रिजरेटर रिपेयरिंग का कार्य करना शुरू किया। आज लोग उनके पास रिपेयरिंग कार्य के लिए स्वयं आने लगे हैं। वर्तमान में वे प्रतिमाह 25 हजार से 30 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रहे हैं। श्री गोस्वामी ने अपनी सफलता का श्रेय भारत सरकार एवं आरसेटी मंदसौर को देते हुए कहा कि संस्थान द्वारा दिए गए प्रशिक्षण और मार्गदर्शन ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी।

आरसेटी में एक माह का निःशुल्क महिला सिलाई प्रशिक्षण सम्पन्न

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के आरसेटी संस्थान में 20 अप्रैल से 20 मई तक आयोजित एक माह के निःशुल्क महिला सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। प्रशिक्षण में बेरोजगार एवं बीपीएल कार्डधारी युवतियों को सिलाई का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों का संस्थान द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्री जयप्रकाश चौहान ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हुनर और आत्मविश्वास के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर जीवन में सफलता प्राप्त कर सकती हैं। अन्य अधिकारियों ने भी प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में आरसेटी संस्थान की ओर से श्री सुरेन्द्रसिंह डामोर ने सभी अतिथियों एवं प्रशिक्षणार्थियों का आभार व्यक्त किया।

जिले में कोई भी अनफिट वाहन सड़क पर संचालित नहीं पाया जाए- श्री चंद्रा

कलेक्टर ने दिए आर.टी.ओ. को वाहनों की फिटनेस जांच के निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में आगामी वर्षाकाल को देखते हुए सम्भावित अतिवृष्टि एवं बाढ़ से बचाव एवं सुरक्षा के लिए आपदा प्रबंधन के सभी उपाय एवं प्रबंध सुनिश्चित कर लिए जाए। रामपुरा व मोरवन में आपदा प्रबंधन तैयारियों पर मॉकड्रील भी कर ली जाए। जिले में निर्माणाधीन सीटी हाईवे एवं नीमच सिंगोली सड़क निर्माण कार्य की वजह से बरसात में किसी भी गांव व स्थान पर जल भराव की स्थिति निर्मित ना हो। एम.पी.आर.डी.सी.के जिला प्रबंधक मानसून के पहले ही जल भराव की रोकथाम के प्रबंध सुनिश्चित कर लें। आर.टी.ओ. यह सुनिश्चित करें, कि जिले में कोई भी वाहन बगैर फिटनेस के सड़कों पर परिचालन स्थिति में ना पाया जाए। वाहनों के फिटनेस की अच्छी तरह से जांच कर फिटनेस प्रमाण पत्र जारी किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए है। बैठक में एस.पी. श्री राजेश व्यास एवं एडीएम श्री बी.एस.कलेश सभी एसडीए, एसडीओपी एवं समिति के सदस्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे विभाग के जल स्त्रोतो, जलाशयों, डेमो, स्टाप डेमो, सरोवरों का निरीक्षण करवा लें, अत्यधिक वर्षा, जल भराव से कोई भी जल संरचना में रिसाव या क्षतिग्रस्त होने की स्थिति ना बने। नदी, नाले, पुल, पुलियाओं, रपटों पर जल भराव की स्थिति में सुरक्षा के आवश्यक प्रबंध अभी से संबंधित विभाग सुनिश्चित कर लें। बैठक में आरटीओ एवं यातायात प्रभारी द्वारा गत एक माह में मोटर व्हीकल एक्ट के तहत की गई चालानी कार्यवाही के बारे में विस्तार से बताया। जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया, कि वे सभी शालाओं के वाहनों की फिटनेस की जांच एवं वाहनों चालकों के सत्यापन की कार्यवाही अनिवार्य रूप से करवाए।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए, कि सम्पूर्ण जिले में बगैर नम्बर के वाहनों और ब्लेक फिल्म लगे वाहनों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाए। उन्होने मुख्य सड़कों को जोड़ने वाली ग्रामीण सड़कों के जक्शन पाइंट पर सड़क सुरक्षा के संकेतक लगवाने एवं स्पीड ब्रेकर बनवाने के निर्देश भी दिए। साथ ही जिले के विभिन्न दुघर्टना संभावित स्थलों पर पठनीय दुर्घटना संभावित स्थल संबंधी संकेतक लगाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने ओव्हर लोड यात्री वाहनों, यात्री वाहनों में उपज परिवहन करने वालों पर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए है।

बंजली में जल चौपाल आयोजित

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशन में जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्म काल में पेयजल व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने एवं जल से सम्बन्धित समस्याओं के निराकरण हेतु विशेष जल चौपाल आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में रतलाम विकासखंड के ग्राम बंजली में रतलाम शहर एसडीएम आर्ची हरित, जनपद पंचायत सीईओ श्री सीएस वास्कले ,पीएचई विभाग के सहायक यंत्री श्री डी सी कथिरिया की उपस्थिति में जल चौपाल आयोजित की गई । चौपाल में वर्तमान में पंचायत में चल रही पेयजल व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जनप्रतिनिधि, ग्रामीण महिलाओं से चर्चा की गई। चर्चा के दौरान महिलाओं ने बताया कि नलजल योजना से अब घरो तक पानी मिलने से सुविधा हुई है। जल चौपाल में ग्रामीणो ने नवीन नलकूप की मांग रखी। चौपाल में एसडीएम आर्ची हरित ने बताया कि ग्रीष्म काल में अधिकतर पेयजल स्त्रोतों का जल स्तर नीचे चला जाता है अतः हमें पानी को महत्वपूर्ण मानते हुए मितव्ययिता से इसका उपयोग करना चाहिए, पानी व्यर्थ न बहे इसलिए नलों पर टोटियां लगानी चाहिए तथा पंचायत स्तर पर जल बचाने के कार्य करने चाहिए।

अंतिम सफर पर निकला जीरन का लालः CRPF जवान संजय पाटीदार पंचतत्व में विलीन, गार्ड ऑफ ऑनर के साथ दी गई विदाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के ग्राम जीरन में उस वक्त शोक की लहर दौड़ गई जब सीआरपीएफ नीमच में पदस्थ जीरन निवासी जांबाज सिपाही संजय पाटीदार (सगवारिया) के आकस्मिक निधन की खबर आई। डीआईजी रेंज सीआरपीएफ ऑफिस नीमच में अपनी सेवाएं दे रहे महज 35 वर्षीय संजय पाटीदार के इस तरह असमय चले जाने से पूरा जीरन अवाक और गमगीन है। आज सुबह पूरे राजकीय व सैन्य सम्मान के साथ नम आंखों से शहीद जवान को अंतिम विदाई दी गई।

तिरंगे में लिपटे लाल को देख रो पड़ा पूरा नगर- जैसे ही सीआरपीएफ जवान संजय सगवारिया का पार्थिव देह जीरन के गणपति मंदिर चौराहे पर पहुंचा, वहां मौजूद हजारों नागरिकों का हुजूम उमड़ पड़ा। भारत माता के जयकारों और जब तक सूरज चांद रहेगा, संजय तेरा नाम रहेगा के गगनभेदी नारों से पूरा आसमान गुंजायमान हो उठा। अपने लाडले को तिरंगे में लिपटा देख सिर्फ परिवार ही नहीं, बल्कि उपस्थित हर एक नगरवासी की आंखें नम हो गईं।

गार्ड ऑफ ऑनर और पुष्प चक्र से दी गई श्रद्धांजलि- सुबह 9 बजे लोहिया नगर स्थित उनके निवास स्थान से अंतिम यात्रा शुरू हुई, जो जीरन के मुक्तिधाम पहुंची। अंतिम विदाई के इस भावुक पल में सीआरपीएफ के अधिकारी रामरस मीणा की अगुवाई में पहुंचे सैन्य दल ने जवान को गार्ड ऑफ ऑनर (सलामी) दिया। अधिकारियों द्वारा पुष्प चक्र अर्पित कर विभाग और देश की ओर से जांबाज जवान को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

मासूम बेटे और पिता ने दी मुखाग्नि- मुक्तिधाम में बेहद गमगीन माहौल के बीच अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई। संजय के पूजनीय पिता प्रेमनारायण जी पाटीदार, काका सत्यनारायण, छोटे भाई कपिल और उनके मासूम पुत्र वैदिक ने परिवारजनों के साथ मिलकर पार्थिव देह को मुखाग्नि दी। मात्र 35 वर्ष की अल्पायु में देश की सेवा करते हुए संजय का इस तरह जाना पाटीदार परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे जीरन क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है। भारत माता के इस सपूत की कर्तव्यनिष्ठा और सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा।

आसिफ खान पेटीवाले बने मुस्लिम राष्ट्रीय मंच छात्र प्रकोष्ठ के जिला संयोजक, मंदसौर में हुआ स्वागत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच छात्र प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. इमरान चौधरी के निर्देशों का पालन करते हुए मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संगठन मंत्री गिरीश जुयाल और छात्र प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह-संयोजक शारिक खान की विशेष अनुशंसा पर सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय रहने वाले ऊर्जावान युवा साथी आसिफ खान पेटीवाले को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच छात्र प्रकोष्ठ का मंदसौर जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। आसिफ खान पेटीवाले की इस नियुक्ति पर स्थानीय मंडी गेट स्थित नईम रहमानी के प्रतिष्ठान पर एक गरिमामयी स्वागत समारोह का आयोजन कर उपस्थित सभी वरिष्ठ नेताओं और समाजजनों ने नवनियुक्त जिला संयोजक का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया और राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। इस गरिमामय अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मंदसौर के जिला अध्यक्ष इकबाल हुसैन बेली भाई, जिला उपाध्यक्ष नईम रहमानी, जिला महामंत्री एडवोकेट अजीजुल्लाह खान खालिद, जिला कोषाध्यक्ष अनवर भाई पेटी वाले, दक्षिण नगर मंडल अध्यक्ष सादिक हुसैन गामा तथा धुंधडका मंडल अध्यक्ष गुड्डू शाह, हाजी लियाकत वारसी, जफर सर सहित कई गणमान्य नागरिकों ने कार्यक्रम में शामिल होकर आसिफ खान पेटीवाले को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

नाहरगढ़ में सजा क्रिकेट का महाकुंभ, 5 दिनों के रोमांच के बाद भवानी मंडी ने जीती ट्रॉफी

ओम गिरि गोस्वामी की पहल से चमक रही ग्रामीण प्रतिभाएं, संस्कृति कप बना खेल संस्कृति का महोत्सव

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ नगर में पांच दिनों तक चौकों-छक्कों की गूंज, दूधिया रोशनी में जगमगाता मैदान, दर्शकों का उमड़ा जनसैलाब और हर मुकाबले में बढ़ता रोमांच क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित रात्रिकालीन क्रिकेट आयोजन ÷संस्कृति कप 2026÷ का भव्य समापन उत्साह और जोश के माहौल में संपन्न हुआ। लगातार 5 दिनों तक चले इस रोमांचक क्रिकेट महोत्सव ने न केवल खिलाड़ियों, बल्कि हजारों खेलप्रेमियों को रोमांच से भर दिया। खिताबी मुकाबले में भवानी मंडी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नरेन्द्र इलेवन इंदौर को शिकस्त देकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

पिछले 16 वर्षों से समाजसेवी औमगिरि गोस्वामी एवं गोस्वामी परिवार द्वारा निरंतर आयोजित किया जा रहा संस्कृति कप आज क्षेत्र की खेल परंपरा का एक गौरवशाली अध्याय बन चुका है। ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से शुरू हुआ यह आयोजन अब युवाओं के सपनों को उड़ान देने वाला सबसे बड़ा खेल मंच बन गया है। खेलों के प्रति औमगिरि गोस्वामी की प्रतिबद्धता, दूरदृष्टि और युवाओं को आगे बढ़ाने की सोच ने संस्कृति कप को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है,क्षेत्रवासियों का कहना है कि संस्कृति कप ने नाहरगढ़ गांव और छोटे कस्बों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का ऐसा मंच दिया है, जहां से कई युवा पहचान बनाकर आगे बढ़े हैं। यही वजह है कि हर वर्ष इस आयोजन का इंतजार खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों को भी बेसब्री से रहता है। लगातार 16 वर्षों तक बिना रुके इतने विशाल आयोजन का सफल संचालन ओम गिरि गोस्वामी की खेलों के प्रति निष्ठा और सामाजिक सरोकार को दर्शाता है।इस वर्ष आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट में महाराष्ट्र, इंदौर, गुजरात, बैंगलोर सहित कई स्थानों के नामचीन खिलाड़ियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे प्रतियोगिता का रोमांच और स्तर दोनों बढ़ गया।

दर्शकों को राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का खेल देखने का अवसर मिला, जिसने आयोजन को और भी खास बना दिया।आयोजन संचालक वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि पहले सेमीफाइनल मुकाबले में अंस इलेवन आलोट और नरेन्द्र इलेवन इंदौर के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली, जिसमें इंदौर ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में भवानी मंडी ने बांसवाड़ा को पराजित कर फाइनल में अपनी जगह बनाई,फाइनल मुकाबला भवानी मंडी और नरेन्द्र इलेवन इंदौर के बीच खेला गया, जिसने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। टॉस जीतकर भवानी मंडी ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम की ओर से नयूम सिसोदिया और करण शेखावत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 144 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया,लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंदौर टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और नदीम धनुरी व विशाल मोर्य के विकेट जल्दी गिरने से टीम दबाव में आ गई। हालांकि दिलीप विजवा और नवनीत सिंह ने संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए मुकाबले में रोमांच बनाए रखा, लेकिन टीम लक्ष्य से 16 रन पीछे रह गई। इसी के साथ भवानी मंडी ने संस्कृति कप 2026 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

विशेष बात यह रही कि टूर्नामेंट के दौरान दो अंतराल में अलग आयोजन भी किए गए, जिसमें मंदसौर जिले की टीमों के बीच मुकाबले कराए गए। 21 हजार रुपए की पुरस्कार राशि वाली इस प्रतियोगिता में नाहरगढ़ टीम विजेता रही, जबकि सीपी इलेवन मंदसौर ने उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया,समापन समारोह में विजेता टीम को 1 लाख 31 हजार रुपए की पुरस्कार राशि एवं ट्रॉफी, जबकि उपविजेता टीम को 51 हजार रुपए की सम्मान राशि देकर सम्मानित किया गया। आयोजन की सफलता पर क्षेत्रवासियों ने औमगिरि गोस्वामी और गोस्वामी परिवार की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल क्रिकेट प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं को खेलों के माध्यम से सकारात्मक दिशा देने का सशक्त प्रयास है।आज संस्कृति कप क्षेत्र की खेल संस्कृति, युवाओं के उत्साह और सामाजिक सहभागिता का ऐसा महोत्सव बन चुका है, जो हर वर्ष नई ऊर्जा और नए जोश के साथ इतिहास रच रहा है। आयोजन को सफल बनाने में समिति के अरुण भटनागर, भैरुगिरि गोस्वामी, अभय गिरि गोस्वामी, वीरेन्द्र सिंह सोलंकी सहित अन्य सदस्यों की अहम भूमिका रही।

भक्ति में कामना नहीं होती, क्योंकि यह व्यापार नहीं है - केशवानंद जी महाराज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुरूषोत्तम (अधिक) मास के अवसर पर केशव सत्संग भवन, खानपुरा में पुरूषोत्तम (अधिक) मास के शुभ अवसर पर पूज्य पाद केशवनानंद जी महाराज चिन्मय मशीन आकोला ने नारद भक्ति सूत्र पर आधारित दिव्य प्रवचनों का आयोजन प्रात- 8.30 बजे से 10 बजे तक हो रहा है।

दिनांक 21 मई, गुरूवार को नारद भक्ति सूत्र का वाचन करते हुए केशवनानंद जी महाराज चिन्मय मशीन आकोला ने बताया कि नारद मुनि बताते है कि भक्ति में कामना नहीं होती है क्योंकि भक्ति व्यापार नहीं होती है। व्यापार से हम कामना रखते है कि हमें यह प्राप्त हो लेकिन भक्ति निश्चल है भक्ति मे प्रेम, वात्सलय, आंनद और अमृत होता है जो सच्चा भक्त होता है वह भगवान की भक्ति यह सब प्राप्त कर लेता है। स्वामी जी ने बताया कि भगवान अपने पास कुछ नहीं रखते और ना ही अपने लिए कुछ करते है भगवान अवतार भी लेते है तो अपने भक्तों के कल्याण के लिए। भगवान कभी अपने किसी भक्त का बुरा नहीं करते अच्छा बुरा सब हमारे कर्मो पर निर्भर करता है। इसलिए सदैव अच्छे कर्म करना चाहिए। अपनी कामनाओं की पूर्ति के लिए कर्म नहीं करना चाहिए कर्म भगवान को प्रसन्न करने के लिए करना चाहिए। हमें हमेशा वह कार्य करना चाहिए जिससे भगवन प्रसन्न हो ऐसे गुणों को बढ़ाना चाहिए जिससे भगवान की भक्ति बढ़े और उन दोषों को दूर करना चाहिए जिससे भगवान नाराज होते है। आपने बताया कि अभिमान कभी धन का या भौतिक वस्तुओ का मत करों अभिमान करना है तो भगवान की भक्ति का करो। महाभारत के युद्ध में कौरवों को अपनी सेना, बड़े - बडे युद्ध के जानकारों पर अभिमान था लेकिन पाण्डवों को श्रीकृष्ण पर अभिमान था नतीजा सबके सामने है इसलिए अभिमान सदैव सही का करना चाहिए। स्वामी जी ने बताया कि भगवान विनम्र है हमें उन्हें कुछ भी कहे वे कभी हमारा बुरा नहीं करते है इसलिए भक्ति करते समय हमें भी भगवान के प्रति विनम्रता का भाव रखना चाहिए। केशव सत्संग भवन ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीशचंद्र सेठिया और कारूलाल सोनी ने बताया कि हर बार पुरूषोत्तम (अधिक) मास के दोरान संतो का आगमन होता है जिनके प्रवचनों का लाभ धमार्लुजन लेते है। इस बार पुरूषोत्तम (अधिक) मास के दौरान पूज्य पाद 1008 केशवनानंद जी महाराज अकोला के मुख से प्रतिदिन 17 मई रविवार से प्रात- 8.30 बजे से 10 बजे तक नारद भक्ति सूत्र दिव्य प्रवचनो का वाचन हो रहा है जिसमें नगर की धर्मप्रेमी जनता अधिक से अधिक संख्या में लाभ प्राप्त करें।

जिला शिवसेना (शिंदे गुट) ने एसपी कार्यालय पहुंचकर मृतक पीड़ित परिवार को न्याय प्रदान करने की मांग की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवा शिवसेना राज्य महासचिव सुनील वर्मा, उज्जैन संभाग अध्यक्ष देवकरण परमार एवं शिवसेना नेता लखन टिपानिया मंदसौर जिले के दौरे पर रहे। शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे तथा युवासेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में शिवसेना दौरे के दौरान सर्वप्रथम प्रातः 9:00 बजे सुवासरा में ग्रामीण एवं नगर पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

यह बैठक जिला सह प्रभारी उज्जवल जायसवाल के कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मंदसौर जिला अध्यक्ष श्याम सिंह ने की। विधानसभा क्षेत्रों से बड़ी संख्या में शिवसैनिक एवं पदाधिकारी मंदसौर दौरे में शामिल हुए। इस दौरान सर्वप्रथम बाबा पशुपतिनाथ महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। तत्पश्चात संगठन के पदाधिकारियों जहां बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।पदाधिकारियों एवं शिवसैनिकों ने अपने विचार साझा किए।

बैठक के दौरान स्व प्रकाश पिता शंभू लाल का एक संयुक्त खाता ग्राम खेता खेड़ा में स्थित है उक्त खाते में से कुछ कृषि भूमि आरोपी चंपालाल पिता नानुराम, रतनलाल पिता नानुराम, बालकृष्ण पिता भंवरलाल, घनश्याम पिता चंपालाल, निवासी ग्राम खेड़ा खेड़ा द्वारा कृषि भूमि हेरा फेरी कर अपने पुत्र के नाम करवा दी थी इसको लेकर नायब तहसीलदार टीना मालवीय के द्वारा बिना किसी विधिक प्रक्रिया के राजस्व रिकॉर्ड में आरोपी के नाम चढ़ा दी गई जिसको लेकर प्रकाश पिता शंभू लाल ने प्रताड़ित होकर आत्महत्या जैसा संगीन कदम उठाया गया, इस बात को लेकर आज हमारे शिवसेना के बैनर तले जिला पुलिस अधीक्षक महोदय विनोद कुमार मीणा को दुर्गाबाई पति स्वर्गीय प्रकाश जी शर्मा द्वारा ज्ञापन सोपा गया एवं मृतक पीड़ित परिवार ने भी अपनी समस्या संगठन के समक्ष रखी, जिसमें परिवार के भरण पोषण की जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए जिला परिषद अधीक्षक महोदय से आर्थिक सहायता प्रदान करने एवं आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर भी जोर दिया गया ,जिस पर तत्काल राज्य महासचिव सुनील वर्मा ने एवं संगठन मंत्री कमल सिंह डोडिया एवं प्रदेश अध्यक्ष अनुराग सोनार से दूरभाष पर चर्चा कर पूरे मामले की जानकारी दी।

संगठन के निर्देशानुसार श्री वर्मा ने मंदसौर जिला पुलिस अधीक्षक विनोद मीणा से भी फोन पर चर्चा कर पीड़ित परिवार की समस्या से अवगत कराया।

इसके पश्चात पीड़ित परिवार एवं शिवसैनिकों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचकर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। बैठक एवं ज्ञापन कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में शिवसेना पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

मोदी- मेलोनी की मेलोडी डिप्लोमेसी - मुस्कान बनी मैसेज, मिठास बनी मैप

रोम की ऐतिहासिक प्राचीरों के साए में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को 'मेलोडी' टॉफी का पैकेट भेंट किया, तो दुनिया ने सिर्फ एक मीठा पल नहीं, बल्कि वैश्विक विश्व व्यवस्था में भारत की बढ़ती ताकत और प्रभाव का स्पष्ट संकेत देखा। यह 'मेलोडी' डिप्लोमेसी महज वायरल सेल्फी या कोलोसियम की सैर नहीं थी। यह दो मजबूत राष्ट्रवादियों के बीच उस रणनीतिक गठबंधन की शुरुआत थी, जो यूरोप के मध्य में भारत को नया द्वार खोल रहा है। जबकि विपक्ष 'टॉफी डिप्लोमेसी' पर तंज कस रहा है, हकीकत यह है कि मोदी की इस यात्रा ने भारत-इटली संबंधों को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' स्तर पर ऊंचा उठा दिया है। पुरानी कांग्रेस संस्कृति की 'चाय पी लो' वाली आलोचना अब पुरानी पड़ चुकी है।

वैश्विक कूटनीति के बदलते परिदृश्य के बीच इस दौरे में दोनों देशों ने संयुक्त 'जॉइंट स्ट्रैटेजिक एक्शन प्लान 2025-2029' की समीक्षा की और कई ठोस आउटकम्स/एम.ओ.यूज़ पर सहमति जताई। द्विपक्षीय व्यापार को 2029 तक 20 बिलियन यूरो तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया। रक्षा उद्योग सहयोग, क्रिटिकल मिनरल्स, समुद्री परिवहन, कृषि, उच्च शिक्षा, नर्स भर्ती और आयुर्वेद जैसे क्षेत्रों में व्यावहारिक समझौते हुए। सबसे महत्वपूर्ण, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को नई गति मिली। इटली भूमध्य सागर का अहम प्रवेश द्वार है, जिससे यह साझेदारी भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति को 'एक्ट वेस्ट' की दिशा में भी मजबूत आधार देती है। जबकि विपक्ष 'मेलोडी' पर व्यंग्य कर रहा है, वास्तविकता यह है कि मोदी-मेलोनी ने दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी की ठोस नींव रखी है।

यह यात्रा महज द्विपक्षीय नहीं, बल्कि बहुपक्षीय महत्व की है। दोनों नेताओं ने वैश्विक मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। चीन के बढ़ते आक्रामक रवैये, ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला की विविधता पर सहमति बनी। दोनों देशों ने एक्शन प्लान की समीक्षा के लिए विदेश मंत्रियों के नेतृत्व वाले एक मैकेनिज़्म के गठन पर सहमति जताई है। यह संस्थागत मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मेलोनी की सरकार मजबूत राष्ट्रवादी रुख के साथ अवैध प्रवासन और यूरोपीय संप्रभुता पर सख्त नीति अपनाती है, जबकि मोदी की 'आत्मनिर्भर भारत' और मेलोनी की 'इटली फर्स्ट' सोच में स्पष्ट समानता दिखती है। दोनों ने साफ संदेश दिया कि लोकतंत्र और राष्ट्रवाद की नींव पर खड़े देश एक-दूसरे के साथ खड़े हो सकते हैं, वैश्विक संतुलन को नई दिशा दे सकते हैं। यह वह सोच है जिससे कांग्रेस और उसके गठबंधन वाले हमेशा कतराते रहे। वे तो अभी भी %चीन भाई-चीन% वाली पुरानी लीक पर अटके हैं।

इतिहास के पन्नों में यह यात्रा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक जुड़ाव की एक सशक्त मिसाल के रूप में दर्ज हुई। कोलोसियम में संयुक्त भ्रमण, राजकीय रात्रिभोज, गार्ड ऑफ ऑनर और मेलोनी द्वारा हिंदी कहावत 'परिश्रम ही सफलता की कुंजी है' का उल्लेख–ये सभी क्षण दोनों देशों के बीच बढ़ती आत्मीयता को दर्शाते हैं। इटली में भारतीय समुदाय की उपस्थिति और सक्रियता लगातार मजबूत हो रही है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों के द्वार खुल रहे हैं। भले ही कुछ लोग सांस्कृतिक कूटनीति को कम आँकते हों, पर वास्तविकता यह है कि सॉफ्ट पावर के बिना वैश्विक प्रभाव अधूरा रहता है, और इसी संतुलन को प्रधानमंत्री मोदी ने प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया है।

भारत और यूरोप के बीच आर्थिक रिश्ते अब नए विस्तार की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। लगभग 16.77 बिलियन डॉलर के व्यापार आधार के साथ यह साझेदारी निवेश, तकनीक और संयुक्त उत्पादन को नई ऊर्जा दे रही है। रक्षा क्षेत्र में सह-उत्पादन के अवसर मजबूत हो रहे हैं, वहीं स्वच्छ ऊर्जा और एआई जैसे भविष्य-केंद्रित क्षेत्रों में सहयोग भारत को यूरोपीय तकनीकी क्षमता से और अधिक जोड़ रहा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को चीन से अलग करने की चल रही कोशिशों के बीच भारत की रणनीतिक भूमिका लगातार बढ़ी है। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी नीति ने इस परिवर्तन में भारत को निर्णायक स्थिति में ला खड़ा किया है, जबकि विपक्ष अब भी बड़े आर्थिक दृष्टिकोण की बजाय सीमित मुद्दों तक ही सिमटा दिखाई देता है।

विपक्ष की आलोचना इस दौर की एक चिंताजनक सच्चाई बनकर सामने आती है। राहुल गांधी जैसे नेता जब 'टॉफी डिप्लोमेसी' पर व्यंग्य करते हैं, तो वे देश की गरिमा और विदेश नीति की गंभीरता को कमजोर करते प्रतीत होते हैं। जब भारत वैश्विक पटल पर मजबूती से अपनी स्थिति स्थापित कर रहा है, तब भी उन्हें विदेश नीति केवल 'मोदी का प्रचार' कहकर सीमित करने की प्रवृत्ति से आगे बढ़ते नहीं देखा जाता। यह भी स्मरणीय है कि वही विपक्ष पहले 'चीन के साथ दोस्ती' जैसे विचारों को सकारात्मक रूप में प्रस्तुत करता रहा है। आज जब प्रधानमंत्री मोदी इटली जैसे मजबूत यूरोपीय देश के साथ रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा दे रहे हैं, तब उनकी चुप्पी या तीखी आलोचना दोनों ही व्यापक राष्ट्रीय हितों के संदर्भ में प्रश्न उठाती है।

मोदी- मेलोनी की यह 'मेलोडी' डिप्लोमेसी अब केवल एक कूटनीतिक संवाद नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक शक्ति संरचना में भारत के निर्णायक उभार का स्पष्ट संकेत बन चुकी है। रोम की यह यात्रा दर्शाती है कि जब नेतृत्व सशक्त हो, दृष्टि स्पष्ट हो और राष्ट्रीय हित सर्वोपरि हों, तब परिणाम इतिहास की दिशा बदलने की क्षमता रखते हैं। यह वह समय है जब दुनिया नए समीकरण गढ़ रही है और भारत उसमें दर्शक नहीं, सक्रिय निर्माता की भूमिका निभा रहा है। जो अब भी पुरानी राजनीतिक सोच और सीमित दृष्टि से इस परिवर्तन को आंकने का प्रयास कर रहे हैं, वे स्वाभाविक रूप से इस गति से पीछे रह जाएंगे।

सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी : प्रेम, करुणा और चैतन्य की दिव्य धारा

सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी का वर्णन करने योग्य शब्द शायद ही कोई जुटा सकता है। विश्व के अनेक देशों में बड़े शहरों से लेकर छोटे गांवों तक में लाखों साधकों ने श्री माताजी के आशीर्वाद को, उनके गुरुत्व को तथा उनकी दिव्यता को आत्मसात् किया। श्री माताजी का अवतरण मानव सभ्यता के विकास क्रम में एक ऐसा पड़ाव है जो मानव की उत्पत्ति को संपूर्णता प्रदान करता है। श्री कृष्ण ने रणक्षेत्र में अर्जुन के माध्यम से योग, कर्म व भक्ति का जो संदेश इस संसार को गीता के रूप में प्रदान किया श्री माताजी ने उसी ज्ञान को कुंडलिनी की जागृति द्वारा बड़े ही सहज तरीके से साधकों के अंतःकरण में प्रकाशित कर दिया। सहजयोग वास्तव में शब्दों का नहीं वरन् अनुभव का ज्ञान है। शब्द बुद्धि का संवाद है जबकि परमशक्ति से योग हृदय का समर्पण जहां शब्दों के लिए कोई स्थान नहीं होता।

श्री माताजी परमशक्ति हैं कोई भी व्यक्ति उनकी व्याख्या नहीं कर सकता। हम उन्हें कुछ दे नहीं सकते सिर्फ़ उनसे पा सकते हैं। जिस क्षण हम संपूर्ण रूप से उनके श्री चरणों पर समर्पित हो जाते हैं उनकी कृपा का अमृत सभी ओर से हम पर बरसने लगता है। श्री माताजी प्रेम व करूणा का सागर हैं, शक्ति का प्रदीप्त सूर्य हैं, शीतल चेतन्य को प्रवाहित करने वाला चंद्र हैं, धैर्य को धारण करने वाली धरा हैं। उनके लिए कुछ भी असम्भव नहीं बस आपका विश्वास, समर्पण व भक्ति अखंड होनी चाहिए। श्री माताजी ने स्वयं ये दिव्य संदेश दिया है कि, हर कदम, हर जगह आपके साथ हम खड़े हैं, हर जगह कहीं पर भी आप हो कहीं पर भी आप रहो हर जगह हम आपके साथ हैं काया, मन, वाचा पूर्णतया। यह हमारा प्रॉमिस है एक पल भी आपसे दूर नहीं। जिस पल भी आप आंख बंद कर मुझे याद करेंगे मैं पूर्ण शक्ति लेकर शंख, चक्र, गदा पद्म, गरुण ले सिधाए। एक क्षण भी विलम्ब नहीं लगेगा लेकिन आपको मेरा होना पड़ेगा ये जरूरी है यदि आप मेरे हैं तो एक क्षण भी नहीं लगेगा मैं आपके पास आ जाऊंगी। सबको परमात्मा सुखी रखे, सुबुद्धि दे, सन्मति से रहो।

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। ÷सत्यं वद, धर्मं चर÷, ÷वसुधैव कुटुम्बकम्÷, ÷सर्वे भवन्तु सुखिनः÷ जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारतीय राजनीति में पिछले कुछ वर्षों के दौरान धर्म, विशेषकर सनातन और हिंदू आस्था को लेकर कांग्रेस, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमूक आदि विपक्षी दलों एवं उनके कुछ नेताओं द्वारा दिए गए बयानों को व्यापक जनसमुदाय ने सनातन पर आक्षेप या हिंदू भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता के रूप में देखा, जिसके राजनीतिक प्रभाव भी दिखाई दिए। किंतु इस विषय को केवल ÷हिंदू विरोध÷ बनाम ÷राजनीतिक विरोध÷ के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत एक लोकतांत्रिक और बहुलतावादी राष्ट्र है, जहां किसी भी राजनीतिक दल को सरकार, नीतियों या नेतृत्व का विरोध करने का अधिकार है, लेकिन यदि वह विरोध आस्था, संस्कृति और बहुसंख्यक समाज की भावनाओं से टकराता हुआ प्रतीत हो, तो उसका राजनीतिक मूल्य चुकाना पड़ सकता है। यही कारण है कि कई दलों के लिए यह धारणा चुनौती बनी कि वे सत्ता-विरोध की राजनीति करते-करते सांस्कृतिक और धार्मिक संवेदनाओं से दूर हो गए हैं। भारत में सनातन केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन, परंपरा, संस्कृति, सहिष्णुता और सभ्यता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए उसके प्रति असावधान भाषा या नकारात्मक संकेत जनमानस में प्रतिकूल प्रतिक्रिया उत्पन्न करते रहे हैं। दूसरी ओर लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा यह भी अपेक्षा करती है कि राजनीतिक विमर्श व्यक्तियों, नीतियों और शासन के मुद्दों पर केंद्रित रहे, न कि धार्मिक ध्रूवीकरण पर। राजनीतिक दलों के लिए यह आवश्यक है कि वे मतभेद रखें, आलोचना करें, लेकिन भारतीय समाज की सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक संवेदनशीलता और आस्था के सम्मान का संतुलन बनाए रखें, क्योंकि जनता अंततः उसी नेतृत्व को स्वीकार करती है जो उसकी भावनाओं, परंपराओं और राष्ट्रीय मानस को समझने का प्रयास करता है।

भारत की राजनीति को ÷धर्म बनाम धर्म÷ की लड़ाई से ऊपर उठकर ÷जन बनाम जनसमस्या÷ के विमर्श की ओर बढ़ना होगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि जनता मंदिर भी चाहती है और रोजगार भी, आस्था भी चाहती है और अवसर भी, संस्कृति भी चाहती है और आधुनिकता भी। केवल धार्मिक ध्रुवीकरण किसी राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार नहीं बन सकता। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल सनातन विरोध या हिंदू विरोध जैसे आरोप-प्रत्यारोपों की राजनीति से बाहर निकलें। यदि किसी परंपरा में सुधार की बात करनी है, तो वह सम्मानजनक भाषा और रचनात्मक दृष्टि से हो। सामाजिक न्याय का अर्थ सांस्कृतिक अस्वीकार नहीं होना चाहिए और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ अन्य दृष्टियों का निषेध भी नहीं होना चाहिए। भारतीय सभ्यता की शक्ति उसकी विविधता और सहिष्णुता रही है। यहां शंकराचार्य भी हैं, बुद्ध भी हैं, महावीर भी हैं, कबीर भी हैं, वेद भी हैं और संविधान भी। भारत ने सदैव संवाद को संघर्ष से ऊपर रखा है। इसलिए राजनीति का भी दायित्व है कि वह समाज को जोड़ने वाली भाषा बोले। आज जब विश्व संघर्षों, सांस्कृतिक तनावों और पहचान की राजनीति से जूझ रहा है, तब भारत के पास ÷वसुधैव कुटुम्बकम्÷ का संदेश है। यही सनातन का वास्तविक स्वरूप भी है-समावेश, करुणा और सहअस्तित्व।

राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करना होगा कि वे जनता को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं-धार्मिक टकराव की ओर या राष्ट्रीय निर्माण की ओर? यदि राजनीति केवल आस्था के विवादों में उलझी रही, तो जनजीवन के वास्तविक प्रश्न पीछे छूट जाएंगे। लेकिन यदि राजनीति संस्कृति का सम्मान करते हुए विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता को केंद्र बनाएगी, तो भारत एक संतुलित और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा। सनातन का अर्थ शाश्वत है, और शाश्वत वही होता है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए किसी भी प्रकार का अंध-विरोध या अंध-समर्थन समाधान नहीं हो सकता।

-ललित गर्ग

स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता राष्ट्र के विकास के आधार स्तंभ

उत्कृष्ट आचरण संहिता वाले नागरिक ही राष्ट्र को विकास तथा चारित्रिक सफलता दिलाने में सदैव मददगार होते हैंद्य यदि किसी राष्ट्र की संस्कृति, संस्कार एवं नागरिक श्रेष्ठ स्वाभिमानी और स्वावलंबी हों तो उस देश को प्रगति और विकास के मार्ग में जाने से कोई बाधा रोक नहीं सकती है।

पराधीन सपने हूं सुख नाही यह लोकोक्ति हर स्वाभिमानी आदमी और स्वतंत्रता प्रेमी व्यक्ति को याद रहती है। स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं, पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा।

-संजीव गर्ग

भाषाई विवाद और क्षेत्रीय असंतुलन स्वतंत्र भारत की बड़ी चुनौती

भारत विविधताओं का देश है। यहाँ धर्म, भाषा, जाति, संस्कृति और परंपराओं की बहुलता सदियों से समाज की पहचान रही है। यही विविधता भारत की शक्ति भी है और जब इसका दुरुपयोग राजनीतिक तथा सामाजिक स्वार्थों के लिए होने लगे, तब यही विविधता राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में अवरोध बन जाती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत ने लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय का सपना देखा था, किंतु सामाजिक विषमताएँ, जातीय संघर्ष, सांप्रदायिक तनाव, भाषाई विवाद और क्षेत्रीय असंतुलन आज भी विकास के मार्ग में गंभीर चुनौतियों के रूप में उपस्थित हैं।

आजादी के बाद देश ने पंचवर्षीय योजनाओं, औद्योगिक विकास, कृषि सुधारों और सामाजिक उत्थान की अनेक योजनाओं के माध्यम से आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने का प्रयास किया। उद्देश्य यह था कि समाज के प्रत्येक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और वर्गविहीन, लोकतांत्रिक तथा धर्मनिरपेक्ष समाज की स्थापना हो। किंतु सामाजिक संरचना में विद्यमान असमानताओं ने विकास की गति को कई स्तरों पर प्रभावित किया। जातिगत विभाजन और वर्ग संघर्ष ने सामाजिक समरसता को कमजोर किया तथा राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं ने इन विभाजनों को और अधिक जटिल बना दिया।

भारतीय राजनीति में जातिगत समीकरण लंबे समय से सत्ता प्राप्ति का माध्यम बनते रहे हैं। राजनीतिक दलों ने सामाजिक न्याय और समानता के नाम पर अनेक बार जातीय ध्रुवीकरण को बढ़ावा दिया, जिससे समाज में परस्पर अविश्वास की भावना उत्पन्न हुई। उच्च वर्ग और निम्न वर्ग के बीच आर्थिक तथा सामाजिक दूरी ने कई बार संघर्ष का रूप लिया। यही कारण है कि कई क्षेत्रों में नक्सलवाद जैसी हिंसक प्रवृत्तियों को पनपने का अवसर मिला। हालांकि अब नक्सलवाद का देश से लगभग सफाया हो गया है। समाज का कोई वर्ग स्वयं को विकास की मुख्यधारा से अलग महसूस करता है, तब असंतोष जन्म लेता है और यही असंतोष अंततः राष्ट्रीय विकास के लिए बाधक बन जाता है।

धार्मिक संघर्ष भी भारत के सामाजिक ताने-बाने के लिए गंभीर चुनौती बनकर उभरे हैं। हिंदूङ्कमुस्लिम विवादों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ने समय-समय पर सामाजिक तनाव को जन्म दिया है। मंदिरङ्कमस्जिद विवाद जैसे मुद्दे केवल धार्मिक असहमति तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनका प्रभाव देश की सामाजिक शांति, निवेश, उद्योग और आर्थिक वातावरण पर भी पड़ता है। सांप्रदायिक तनाव के कारण समाज में भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित होता है, जिससे विकास की प्रक्रिया प्रभावित होती है। किसी भी राष्ट्र की आर्थिक उन्नति के लिए सामाजिक स्थिरता अत्यंत आवश्यक होती है।

भाषाई विवाद भी स्वतंत्र भारत की एक बड़ी चुनौती रहे हैं। दक्षिण भारत में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के विरोध से लेकर विभिन्न राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण के आंदोलनों तक, भाषा का प्रश्न कई बार राजनीतिक और सामाजिक संघर्ष का कारण बना। बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों में भाषाई अस्मिता को लेकर समय-समय पर आंदोलन हुए हैं। भाषा किसी भी समाज की सांस्कृतिक पहचान होती है, इसलिए इस विषय को संवेदनशीलता और समन्वय के साथ देखने की आवश्यकता है। भाषाई संघर्ष जब राजनीतिक रूप धारण कर लेते हैं, तब वे राष्ट्रीय एकता और आर्थिक विकास दोनों को प्रभावित करते हैं।

समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर भी समाज में मतभेद दिखाई देते हैं। एक ओर बहुसंख्यक वर्ग इसे समानता और राष्ट्रीय एकरूपता का प्रतीक मानता है, वहीं अल्पसंख्यक समुदाय अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को लेकर आशंकित दिखाई देता है। ऐसे विषयों पर संवाद, संवेदनशीलता और संवैधानिक संतुलन की आवश्यकता है। किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र में विकास तभी संभव है जब सभी वर्ग स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें।

भारत के समक्ष गरीबी, बेरोजगारी, भूखमरी, नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता और क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियाँ आज भी गंभीर समस्याएँ बनी हुई हैं। स्वतंत्रता के 78 वर्षों बाद भी यदि समाज का एक बड़ा वर्ग मूलभूत सुविधाओं से वंचित है, तो यह चिंतन का विषय है। आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ केवल बड़े उद्योगों और शहरी विस्तार तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि गाँवों, आदिवासी क्षेत्रों, श्रमिक वर्ग और पिछड़े समाज तक विकास के लाभ पहुँचाना भी उतना ही आवश्यक है।

समाधान का मार्ग समावेशी विकास और सकारात्मक राष्ट्रवाद में निहित है। राष्ट्रवाद का अर्थ किसी वर्ग विशेष की श्रेष्ठता नहीं, बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र और उसके प्रत्येक नागरिक के सम्मान तथा प्रगति की भावना होना चाहिए। यदि समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और अवसरों से जोड़ा जाए, तो नक्सलवाद, हिंसा और असंतोष जैसी समस्याएँ स्वतः कम होने लगेंगी। सामाजिक न्याय और आर्थिक अवसरों का संतुलन ही राष्ट्र को स्थिर और सशक्त बना सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीय संकीर्णताओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानें। भारत की विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति बन सकती है, यदि उसे समरसता और विकास के साथ जोड़ा जाए। सामाजिक सद्भाव, संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक चेतना और आर्थिक समानता के आधार पर ही भारत वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो सकता है।

-सुनील कुमार महला

केवल बाहरी खतरा नहीं, भीतर भी दें ध्यान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को ध्यान में रखते हुए भारतीयों को मितव्ययिता संबंधी कई कदम उठाने की सलाह दी है। अब केंद्र और राज्य सरकारों को ऐसी रणनीतियां तैयार करनी होंगी जिनकी मदद से कच्चे तेल के बढ़े हुए दामों के कारण उनकी वित्तीय स्थिति पर पड़ने वाले राजकोषीय बोझ का प्रबंधन किया जा सके। भारत को केवल बाहरी खाते की समस्या ही नहीं बल्कि उतनी ही गंभीर राजकोषीय चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है।

मितव्ययिता के उपायों को चाहे जिस रूप में अपनाया जाए लेकिन उनसे विदेशी मुद्रा संसाधनों को बचाने और सरकार के बाहरी खाते के प्रबंधन में मदद मिलनी चाहिए। बढ़ते चालू खाता घाटे और पूंजी के बहिर्प्रवाह यानी विदेश जाने से भुगतान संतुलन के अंतर को पाटने के लिए केंद्र सरकार को समन्वित प्रयास करने होंगे। यह अंतर निश्चित रूप से और बढ़ेगा। हालांकि राजकोषीय चुनौती संभावित बाहरी खाते के संकट से अलग है लेकिन दोनों आपस में संबद्ध हैं।

पिछले कुछ दिनों में केंद्र सरकार ने कई कदम उठाने की इजाजत दी है मसलन पेट्रोल, डीजल और कंप्रेस्ड नैचुरल गैस (सीएनजी) की खुदरा कीमतों में दो बार इजाफा किया गया। उसने केंद्रीय मंत्रालयों और सरकारी बैंकों सहित सरकारी उपक्रमों को भी विदेशी मुद्रा बचाने के उपाय करने के निर्देश दिए हैं। इन उपायों की बदौलत तेल कंपनियों को अपने कुछ घाटे की भरपाई करने में मदद मिलेगी। यह घाटा उन्हें कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतों की वजह से हो रहा है।

राज्य सरकारों ने भी मितव्ययिता के उपायों की घोषणा की है। उनमें से कुछ ने एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर कर घटा दिए हैं जिससे उनकी राजस्व आय प्रभावित होगी। अधिकांश राज्यों ने अभी तक अपने व्यय या राजस्व प्रबंधन की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए हैं। जाहिर है कि राज्यों ने यह साबित करने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए हैं कि वे आने वाले संकट की गंभीरता को पूरी तरह समझते हैं। लेकिन राज्यों के सामने मौजूद चुनौतियों के पैमाने का आकलन करने से पहले यह उपयोगी होगा कि केंद्र सरकार के राजकोषीय बोझ में संभावित वृद्धि का अंदाजा लगाया जाए।

एक फरवरी को पेश किए गए 2026-27 के केंद्रीय बजट में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 4.3 फीसदी तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया है। इस लक्ष्य को तय करते समय पश्चिम एशिया के संघर्ष के संभावित प्रभाव को ध्यान में नहीं रखा जा सका था। यह निश्चित रूप से राजस्व और व्यय दोनों को प्रभावित करेगा।

पहले राजस्व पर प्रभाव की बात करते हैं। 26 मार्च को केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की। इसकी वजह से 2026-27 में एक लाख करोड़ रुपये राजस्व का नुकसान होगा। राज्य इस राजकोषीय बोझ से बच सके क्योंकि शुल्क में कमी पूरी तरह एक विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क रियायत से आई जिसकी प्राप्तियां विभाजन किए जाने वाले संग्रह का हिस्सा नहीं हैं।

व्यय की बात करें तो केंद्र सरकार को उर्वरक सब्सिडी का बोझ उठाना पड़ रहा है जिसे 2026-27 के बजट में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये आंका गया था। अब यह सब्सिडी बिल बढ़कर लगभग 2.4 लाख करोड़ रुपये होने जा रहा है। इसका अर्थ यह है कि 70,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजकोषीय बोझ पड़ेगा।

कुछ अन्य कदम भी हैं जो सरकार की वित्तीय स्थिति पर राजकोषीय दबाव बढ़ाएंगे। 28 फरवरी को पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के कुछ ही दिनों के भीतर वित्त मंत्रालय ने घोषणा की कि उसने एक एहतियाती कदम के रूप में आर्थिक स्थिरीकरण कोष में लगभग एक लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसका उद्देश्य वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों, आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों, विशिष्ट क्षेत्रों में अचानक तनाव, या किसी भी ऐसी घटना से निपटने के लिए आपातकालीन सुरक्षा कवच तैयार करना था जिसका राजकोषीय प्रभाव महत्त्वपूर्ण हो सकता है।

आर्थिक मामलों के विभाग ने 2025-26 के संशोधित अनुमान में आर्थिक स्थिरीकरण कोष के लिए प्रावधान किया था और इस मद के तहत लगभग 50,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। फरवरी 2026 के अंत तक इस कोष से बहुत कम राशि का उपयोग हुआ था। ऐसा लगता है कि इस कोष के लगभग एक लाख करोड़ रुपये के आवंटन को आवश्यकता अनुसार आर्थिक मामलों का विभाग ही प्रबंधित करेगा। आवश्यक प्रावधान संसद द्वारा अनुमोदित अनुदानों की अनुपूरक मांगों के माध्यम से किए जाएंगे। यह विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन का संकेत है, इसके बावजूद यह सरकार की वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ाता है। इसके अलावा, सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) तथा एयरलाइंस के लिए एक ऋण गारंटी योजना भी है, जो पश्चिम एशिया संघर्ष से प्रभावित इकाइयों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इस योजना के तहत लगभग 2.55 लाख करोड़ रुपये मूल्य के ऋणों की गारंटी दी जाएगी। सरकार के लिए इस योजना की राजकोषीय लागत लगभग 18,000 करोड़ रुपये आंकी गई है। पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्यात कर से कुछ राजस्व प्राप्त होने के बाद भी, अतिरिक्त व्यय और राजस्व हानि का बोझ लगभग 2.9 लाख करोड़ रुपये रहेगा। यदि भारत की नॉमिनल अर्थव्यवस्था का आकार बजट में अनुमानित लगभग 393 लाख करोड़ रुपये माना जाए तो इससे राजकोषीय घाटा अनुमानित 4.3 फीसदी से 0.73 प्रतिशत अंक और बढ़ सकता है। इस प्रकार, चालू वित्त वर्ष में केंद्र सरकार को जीडीपी के 5 फीसदी से अधिक का राजकोषीय घाटा झेलना पड़ सकता है। यह ज्यादा भी हो सकता है क्योंकि अनुमान है कि गैर-कर राजस्व पर भी असर पड़ेगा। इसके अतिरिक्त, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर राजस्व पर द्वितीयक प्रभाव होंगे। व्यय में होने वाली चूकें नियंत्रित नहीं हो पाएंगी और आर्थिक वृद्धि पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस परिदृश्य में राज्यों की राजकोषीय स्थिति और अधिक जटिल हो जाती है। 2025-26 के लिए, 23 राज्यों ने अपने अस्थायी अनुमान जारी किए हैं जो सभी राज्य बजटों के कुल आकार का लगभग 85 फीसदी हिस्सा हैं। इन 23 राज्यों का संयुक्त राजकोषीय घाटा उनके सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 3.3 फीसदी से अधिक है। लेकिन कई राज्य पहले ही 3.5 फीसदी घाटे के स्तर को पार कर चुके हैं (आंध्र प्रदेश 4.6 फीसदी, बिहार 6.9 फीसदी, हिमाचल प्रदेश 6 फीसदी, मध्य प्रदेश 4.6 फीसदी, राजस्थान 3.8 फीसदी और तेलंगाना 4.36 फीसदी)। इससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि अधिकांश राज्यों की निर्भरता केंद्र सरकार से करों के बंटवारे पर बहुत अधिक है। यह उनकी स्वयं की कर आय का लगभग आधा है। यदि 2025-26 में उनकी स्वयं की कर आय जीएसडीपी का 6.5 फीसदी थी तो केंद्रीय करों पर उनकी निर्भरता 3.45 फीसदी थी। यदि 2026-27 में बाहरी आर्थिक उथल-पुथल के कारण केंद्र की कर वसूली प्रभावित होती है, तो राज्यों की राजस्व स्थिति भी प्रभावित होगी और उनका राजकोषीय संतुलन सबसे पहले प्रभावित होगा।

-धनंजय राजौरा

टोंककला विस्फोट कांड : चीन से लौटते ही दिल्ली एयरपोर्ट पर दबोचा गया मुख्य आरोपी मुकेश विज

देवास पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 6 दिन में 5 आरोपियों की गिरफ्तारी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। टोंककला पटाखा फैक्ट्री विस्फोट प्रकरण में फरार चल रहे मुख्य आरोपी मुकेश विज को देवास पुलिस ने नई दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी चीन के ग्वांग्झू शहर से 21 मई की सुबह फ्लाइट द्वारा दिल्ली पहुंचा था, जहां पहले से अलर्ट देवास पुलिस की विशेष टीम ने एयरपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव के सख्त निर्देश एवं डीजीपी कैलाश मकवाना के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई को देवास पुलिस की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा पूरे देश में लुक आउट सर्कुलर जारी कराया गया था, जिसके चलते एयरपोर्ट पर उसकी पहचान होते ही उसे रोक लिया गया।

प्रकरण में एक अन्य फरार आरोपी महेश चौहान निवासी उत्तराखंड को भी दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। वहीं इससे पहले घटना के 24 घंटे के भीतर कारखाना लाइसेंसी अनिल मालवीय एवं मुख्य ठेकेदार मोहम्मद अयाज को गिरफ्तार किया जा चुका था। दो दिन पूर्व फैक्ट्री के संयुक्त संचालक कपिल विज को भी दिल्ली से पकड़ा गया था।

एसपी पुनीत गेहलोद द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए 13 सदस्यीय विशेष जांच दल का गठन किया गया था। फरार आरोपियों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस की विशेष टीम लगातार दिल्ली सहित विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों की तलाश कर रही थी।

एडीजी राकेश गुप्ता एवं डीआईजी नवनीत भसीन के सतत पर्यवेक्षण में एसपी पुनीत गेहलोद के नेतृत्व में देवास पुलिस द्वारा वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन, तकनीकी जांच एवं फरार आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी की कार्रवाई लगातार जारी है।

देवास पुलिस ने अब तक इस प्रकरण में मुख्य आरोपी सहित कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले के प्रत्येक पहलू की गंभीरता से जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

सीएटीसी कनासिया में स्तुति शर्मा ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एनसीसी यूनिट पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री कृष्णाजीराव जीराव पवार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवास की एनसीसी कैडेट अंडर ऑफिसर स्तुति शर्मा ने एनुअल ट्रेनिंग कैंप कनासिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शूटिंग प्रतियोगिता, कल्चरल प्रतियोगिता तथा कमांड एंड कंट्रोल में गोल्ड एवं सिल्वर मेडल प्राप्त किया। उनके इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एसपीएस राणा, डॉ रतन सिंह अनारे कैप्टन डॉ संजय सिंह बरौनिया, डॉ सत्यम सोनी, डॉ आरके मराठा, डॉ दीप्ति धवले, डॉ लता धुपकरिया, डॉ रेखा कौशल, श्री नीरज जैन, डॉ संदीप सिंह नागर, आईक्यूएसी एवं एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ संजय गाड़गे, क्रीड़ा अधिकारी डा अरुण कुशवंशी डॉ राकेश कोटिया ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जानकारी श्री जितेंद्र सिंह राजपूत ने प्रदान की।

वर्षा की संभावना को देखते हुए ट्रको की संख्या बढ़ाकर उपार्जित स्कंध का परिवहन कराएं- कलेक्टर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में रबी विपणन वर्ष 2026-27 अंतर्गत जिला उपार्जन समिति की बैठक संपन्न हुई।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने वर्षा की संभावना को देखते हुए परिवहन में अधिक से अधिक ट्रको की संख्या बढ़ाकर उपार्जित स्कंध का परिवहन कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने उपार्जित मात्रा एवं जमा मात्रा में अंतर होने पर उपायुक्त सहकारिता शाजापुर, जिला आपूर्ति अधिकारी, शाजापुर तथा जिला परियोजना अधिकारी, (एन.आर.एल.एम.) जिला पंचायत शाजापुर को उपार्जन संस्था से शीघ्रता पूर्वक RwT कर गोदाम स्तरीय केन्द्र पर हेण्डलीग चालान एवं समिति स्तर पर ट्रक आर्डर बनाये जाने के निर्देश दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने एम.पी. स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन शाजापुर जिला प्रबंधक को तत्काल एसी नोट स्वीकृत करने एवं बारदाना पर्याप्त मात्रा में उपार्जन केन्द्रो पर शीघ्रता से उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। जिला आपूर्ति अधिकारी सुश्री अंजु मरावी ने बताया कि आज दिनांक तक इस वर्ष 56344 किसानो से 394151 मै. टन गेहूँ उपार्जित किया जा चुका है, जिसका परिवहन 374128 मै.टन और स्वीकृत पत्रक की मात्रा 351492 मै. टन है। साथ ही जिले में अब तक 49654 किसानो को 798 करोड का भुगतान किया जा चुका हैं। कलेक्टर सुश्री बाफना ने शेष किसानो का शीघ्र भुगतान करने के लिए मुख्यालय से समन्वयक करने के लिए जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अनुपमा चौहान, अनुविभागीय अधिकारी शाजापुर सुश्री मनीषा वास्कले, गुलाना सुश्री नेहा गंगारे, उपायुक्त सहकारिता श्री ओपी गुप्ता, विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे तथा वीसी के माध्यम से अनुविभागीय शुजालपुर श्री राजकुमार हलदर एवं सभी तहसीलदार शामिल हुए।

जिला अस्पताल में अब सुबह से शाम तक होगी सोनोग्राफी, कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने दिए सख्त निर्देश

रोगी कल्याण समिति की बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं को और मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जिला अस्पताल में सोनोग्राफी का समय बढ़ाने के निर्देश देते हुए कहा कि अब सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक तथा दोपहर बाद 3 बजे से शाम 5 बजे तक सोनोग्राफी की जाए, ताकि दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाली गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को राहत मिल सके।

बैठक में कलेक्टर ने जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को बिना किसी देरी के रक्त उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके लिए रेडक्रॉस ब्लड बैंक के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा रक्त की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए सभी शासकीय विभागों का वार्षिक रक्तदान रोस्टर तैयार करने के निर्देश भी दिए गए।

मरीजों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर ने सिविल सर्जन को जिला अस्पताल में फायर सेफ्टी, इलेक्ट्रिक सेफ्टी और लिफ्ट सेफ्टी ऑडिट शीघ्र कराने के सख्त निर्देश दिए।

बैठक में जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक सुधारों के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

फार्मर आईडी से शेष किसानों के रजिस्ट्रेशन के लिए 23 मई को विशेष अभियान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देश पर फार्मर रजिस्ट्री अंतर्गत फार्मर आईडी से शेष किसानों के रजिस्ट्रेशन एवं फार्मर आईडी लिंक से शेष खातों को फार्मर आईडी में जोड़े जाने के लिए 23 मई 2026 को प्रातः 10ः00 बजे से सायं 06ः00 बजे तक प्रत्येक पटवारी हल्का मुख्यालय पर विशेष कैम्प का आयोजन किया जायेगा। जिससे कि कृषकों को खाद वितरण एवं अन्य शासकीय योजनाओ में लाभ लेने में असुविधा न हो। कलेक्टर ने जिले के समस्त तहसीलदारों को निर्देशित किया हैं कि समस्त पटवारी हल्का मुख्यालयों पर 23 मई 2026 को आयोजित विशेष अभियान में पटवारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए, फार्मर रजिस्ट्री अंतर्गत फार्मर आईडी से शेष किसानों के रजिस्ट्रेशन एवं फार्मर आईडी लिंक से भूमि सर्वे नंबरों को फार्मर आईडी में जोड़े जाने के लिए पटवारियों को निर्देशित करें। साथ ही उक्त विशेष अभियान का प्रचार प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक किसानों की फार्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य पूर्ण हो सके एवं कृषकों को खाद प्राप्त किये जाने में कोई समस्या न हो।

देवास में सजेगा सुरों का महाकुंभ, 6-7 जून को होगा भव्य पंडित कुमार गंधर्व समारोह

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संगीत प्रेमियों के लिए देवास में एक बार फिर सुरों की अनुपम संध्या सजने जा रही है। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग अंतर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी द्वारा जिला प्रशासन देवास एवं कुमार गंधर्व अकादमी के सहयोग से दो दिवसीय ÷पंडित कुमार गंधर्व समारोह÷ का आयोजन 6 एवं 7 जून 2026 को मल्हार स्मृति मंदिर देवास में सायं 7 बजे से किया जाएगा।

अकादमी के निदेशक प्रकाश सिंह ठाकुर ने बताया कि पद्म विभूषण पंडित कुमार गंधर्व मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और संगीत जगत का गौरव हैं। उनकी स्मृति में आयोजित यह समारोह उन्हें स्वरांजलि अर्पित करने का प्रयास है। वहीं उप निदेशक शेखर करहाड़कर ने बताया कि अकादमी शास्त्रीय संगीत के प्रचार-प्रसार के साथ युवा एवं वरिष्ठ कलाकारों को मंच देने की परंपरा को आगे बढ़ा रही है।

समारोह के प्रथम दिवस 6 जून को शुभारंभ के बाद पुणे की सुप्रसिद्ध गायिका सानिया पाटनकर की गायन प्रस्तुति होगी। इसके बाद दिल्ली के पं. ऋषि शंकर उपाध्याय एवं महिमा उपाध्याय की पखावज जुगलबंदी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेगी। प्रथम दिवस का समापन कोलकाता के पं. ओमकार दादरकर के शास्त्रीय गायन से होगा।

समारोह के दूसरे दिन 7 जून को इंदौर की पूर्वी निमगांवकर की गायन सभा सजेगी। इसके बाद दिल्ली के अविनाश कुमार शास्त्रीय गायन प्रस्तुत करेंगे। समारोह की अंतिम प्रस्तुति में पं. अतुल उपाध्याय एवं पं. विवेक सोनार की वायलिन-बांसुरी जुगलबंदी संगीत प्रेमियों को सुरों के अद्भुत संसार में ले जाएगी।

समारोह में हारमोनियम पर मुनि मालवीय (भोपाल), दीपक खसरावल (इंदौर) एवं विवेक जैन (ग्वालियर) संगत देंगे। वहीं तबले पर अंशुल प्रताप सिंह, रामेंद्र सिंह सोलंकी, हितेंद्र दीक्षित एवं निशांत शर्मा अपनी कला का संगम प्रस्तुत करेंगे।

देवास में आयोजित होने वाला यह प्रतिष्ठित संगीत समारोह शास्त्रीय संगीत प्रेमियों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहेगा।

लू-तापघात के प्रभाव से बचने के लिए जनसामान्य से अपील

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य द्वारा जन सामान्य से अपील की है कि ग्रीष्म ऋतु का प्रभाव प्रत्येक वर्ष अप्रैल के महीने से होना प्रारंभ हो जाता है, जिस कारण लू-ताप घात का प्रभाव आमजन को होना संभावित है अतः लू-तापघात से बचाव के? लिए सावधानियाँ रखी जाना आवश्यक हैं, जिससे आमजन काफी हद तक लू-तापघात के प्रभाव से बच सकता हैं।

लू-ताप घात से बचाव के लिए विभिन्न सावधानियाँ रखें। जैसे पानी, छाछ ओ.आर.एस. का घोल या घर में बने पदार्थ जैसे लस्सी, नींबू का पानी, कच्चे आम का पना इत्यादि का सेवन निरन्तर किया जाए। यथासंभव दोपहर 12-3 बजे धूप में बाहर निकलने से बचा जाए। धूप में निकलते समय अपना सिर ढंककर रखें तथा टोपी, गमछा, दुपट्टा, छतरी आदि का उपयोग करें। धूप में निकलने के पूर्व तरल पदार्थ का सेवन किया जाए एवं हमेशा पानी साथ रखें। सूती एवं ढीले वस्त्रों को पहना जाए एवं सिन्थेटिक वस्त्र पहनने से बचा जाए। अत्यधिक गर्मी होने की स्थिति में ठंडे पानी से शरीर को पोंछा जाए एवं कई बार स्नान करें। गरिष्ठ वसायुक्त ज्यादा प्रोटीन वाले भोजन तथा मादक पदार्थ मदिरा, चाय-कॉफी जैसे पेय पदार्थों का उपयोग कम किया जाए।

रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में आज डॉ. भीमराव आम्बेडकर जिला चिकित्सालय के एमसीएच भवन में रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न हुई।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा के लिए नए कूलर क्रय कर दो दिवस में लगाने के निर्देश दिए। कलेक?टर सुश्री बाफना ने मरीजों के आयुष्मान कार्ड बनाने, आयुष्मान योजना में अस्पताल के कर्मचारियों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि का भुगतान उन्हें समय पर करने, मरीजों की आभा आईडी बनाने के लिए अतिरिक्त कउंटर लगवाने एवं सभी स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति सार्थक एप्प के माध्यम से लगाने के निर्देश दिये।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने निर्देश दिये कि शासन की योजना के तहत प्रत्येक माह की 09 एवं 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं के लिए निजी (प्राइवेट) अस्पतालों/सोनोग्राफी केंद्रों पर निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रायवेट अस्पतालों में सोनोग्राफी को प्रारंभ कराएं एवं सोनोग्राफी केन्द्रों की संख्या बढाए तथा इनका नियमित रूप से निरीक्षण भी करें।

साथ ही प्रायवेट वार्ड में ज्यादा संख्या में मरीज भर्ती हो, इसके लिए प्रचार-प्रसार करें एवं प्रायवेट वार्ड में कूलर भी लगवाएं। एमसीएच भवन में सोलर पैनल लगाने, प्रसूताओं को गर्म पानी की व्यवस्था के लिए सोलर गीजर लगाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर सुश्री बाफना ने बैठक में अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, सुधार, मरीजों एवं उनके परिजनों को मिलने वाली सुविधाओं तथा वित्तीय आय-व्यय की विस्तृत समीक्षा कर लंबित कार्यों को 15 दिवस में पूर्ण कराने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि लंबित कार्यों को उक्त दिवसों में पूर्ण नहीं करने पर संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली लक्ष्मीबाई की जिंदगी, टपकते कच्चे घर से अब सर्वसुविधायुक्त पक्के आशियाने तक का सफर

मजदूरी कर दूसरों के घर बनाने वाली लक्ष्मीबाई आज अपने सपनों के घर में जी रही सम्मान भरा जीवन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के जीवन में खुशियों की नई रोशनी ला रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना ने देवास जिले के ग्राम सकतली, विकासखंड सोनकच्छ निवासी श्रीमती लक्ष्मीबाई और उनके परिवार की जिंदगी बदल दी। कभी बारिश में टपकते कच्चे मकान में मुश्किलों के बीच जीवन बिताने वाला यह परिवार आज सर्वसुविधायुक्त पक्के घर में सम्मान और सुकून के साथ रह रहा है।

श्रीमती लक्ष्मीबाई बताती हैं कि उनके पति हीरालाल मिस्त्री का कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। वे स्वयं भी पति के साथ मजदूरी कर दूसरों के घर बनाने का काम करती थीं, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण अपना पक्का घर बनाना उनके लिए सिर्फ एक सपना था। परिवार से अलग होने के बाद वे कच्चे मकान में रह रही थीं, जहां बारिश के दिनों में घर टपकता था और बिस्तर-कपड़े तक भीग जाते थे।

उन्होंने बताया कि सीमित आय में परिवार चलाना ही कठिन था, ऐसे में पक्का मकान बनाना असंभव लगता था। इसी दौरान ग्राम पंचायत द्वारा उनका नाम आवास सूची में जोड़ा गया और वर्ष 2024-25 में उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला। शासन से मिली सहायता राशि और अपनी मेहनत की कमाई जोड़कर उन्होंने अपने हाथों से ही पक्का घर तैयार किया।

लक्ष्मीबाई ने बताया कि मनरेगा मजदूरी से प्राप्त राशि और पति के मिस्त्री होने का लाभ लेकर उन्होंने मजदूरी का खर्च बचाया और उसी राशि को घर को बेहतर बनाने में लगाया। आज उनके घर में शौचालय, बिजली कनेक्शन, नल-जल सुविधा और उज्ज्वला गैस योजना जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

वे भावुक होकर कहती हैं कि पक्का घर बनने से सिर्फ रहने की सुविधा नहीं मिली, बल्कि समाज में सम्मान भी बढ़ा है। परिवार के स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है। लक्ष्मीबाई और उनका परिवार इस खुशहाल बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति हृदय से आभार व्यक्त कर रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना आज ऐसे हजारों जरूरतमंद परिवारों के लिए उम्मीद और सम्मान का आधार बन रही है, जो वर्षों से अपने पक्के घर का सपना देख रहे थे।

मनासा में हथियार बनाने की फैक्ट्री का पर्दाफाश, पुलिस ने अवैध 3 पिस्टल और भारी मात्रा में उपकरण जब्त किये

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मनासा थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने अवैध हथियार बनाने वाली एक पूरी फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए 3 अवैध देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और हथियार बनाने का भारी सामान जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि हथियार बनाने वाला मुख्य आरोपी फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश सरगर्मी से की जा रही है।

मुखबिर की सूचना पर सारसी फंटे पर घेराबंदी- पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मनासा थाना पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि दुर्गाशंकर सुतार (निवासी ग्राम आंतरीमाता) अपने पास एक देशी पिस्टल और जिंदा कारतूस लेकर लाल रंग की सुजुकी मैक्स 100 मोटरसाइकिल (क्रमांक MP-44 B-7876) से अपने गांव से मनासा की तरफ आ रहा है।

सूचना पर तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम ने सारसी फंटे पर घेराबंदी की और मोटरसाइकिल सवार दुर्गाशंकर को दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

पूछताछ में खुला राज- राजस्थान तक जुड़े हैं तार- जब पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी दुर्गाशंकर से कड़ाई से पूछताछ (पीआर) की, तो उसने चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने बताया कि उसने दो और पिस्टल नानालाला सिकलीगर (निवासी आंतरीमाता) से खरीदी थीं। आरोपी दुर्गाशंकर की निशानदेही पर पुलिस ने वे दोनों पिस्टल भी जब्त कर लीं। पूछताछ में यह भी सामने आया कि ये लोग राजस्थान और उसके आसपास के जिलों के तस्करों को हथियारों की सप्लाई करते थे, जिसके संबंध में पुलिस आगे की कड़ियों को खंगाल रही है।

घर पर दबिश- बरामद हुई हथियार बनाने की फैक्ट्री- आरोपी दुर्गाशंकर से मिली जानकारी के आधार पर जब पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी नानालाल सिकलीगर के घर पर दबिश दी, तो वहां का नजारा देखकर पुलिस भी दंग रह गई। नानालाल के घर पर अवैध हथियार बनाने का पूरा कारखाना चल रहा था। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी नानालाल मौके से फरार होने में कामयाब रहा।

जब्त किया गया मशरूका (सामान)-
03 अवैध देशी पिस्टल
02 जिन्दा कारतूस
हथियार बनाने के उपकरण- ग्राइंडर मशीन, लेथ मशीन, वेल्डिंग मशीन, चार देशी बंदूक बनाने की नाल, बीट हैम्बर, ट्रेगर, मैगजीन, हथौड़ा, प्लायर, स्प्रिंग और अन्य कलपुर्जे।

सुजुकी मैक्स 100 मोटरसाइकिल

कार्रवाई में शामिल टीम- इस पूरी बड़ी कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवलसिंह सिसौदिया एवं एसडीओपी निकीता सिंह के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी मनासा निरीक्षक निलेश अवस्थी के नेतृत्व में अंजाम दिया गया।

सराहनीय भूमिका निभाने वाले पुलिसकर्मी- इस सफलता में थाना प्रभारी निलेश अवस्थी, उपनिरीक्षक तेजसिंह सिसौदिया, सहायक उपनिरीक्षक गोविन्दसिंह राठौर, प्रधान आरक्षक राघवेन्द्रसिंह, प्रधान आरक्षक प्रकाश सिनम, प्रधान आरक्षक मनोहरदास बैरागी, आरक्षक पदमसिंह, आरक्षक ईश्वर प्रजापति, सैनिक मोहनसिंह और प्रभारी साइबर सेल प्रदीप शिन्दे सहित पूरी साइबर सेल टीम का विशेष और सराहनीय योगदान रहा।

जिला स्तरीय सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय सभागृह में जिला स्तरीय सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में कलेक्टर सुश्री बाफना ने शासकीय योजना अंतर्गत वर्ष 2026-27 के प्रकरणों की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर दिये गये लक्ष्यों की पूर्ति करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने वार्षिक साख योजना 2025-26 की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर सुश्री बाफना ने बैंकर्स को बताया कि शाजापुर जिले में एमपीआईडीसी द्वारा औद्योगिक क्षेत्र भेरू डूंगरी शाजापुर (खेरखेड़ी-भदोनी-बामनियाखेड़ी क्षेत्र) इन्डस्ट्रीयल पार्क विकसित किया गया हैं। जिसमें आगामी 25 मई से नए औद्योगिक पार्क में प्लॉट आवंटन शुरू होंगे। उन्होंने सभी बैंकर्स को निवेशकों एवं उद्यमियो को सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिये। कलेक्टर सुश्री बाफना ने बैंकर्स को कृषि यंत्रों, ड्रिप सिंचाई योजना, माइक्रों ऐरीगेशन, शेडनेट, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, पीएमएफएमई योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के प्रकरणों पर ऋण प्रदान करने के निर्देश दिये।

इंस्टाग्राम की दोस्ती बनी दरिंदगी का जाल

शादी का झांसा देकर मुंबई की युवती से दुष्कर्म, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया पर बढ़ती दोस्ती अब अपराध का माध्यम बनती जा रही है। ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला बड़नगर में सामने आया, जहां इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती ने एक 20 वर्षीय युवती की जिंदगी को झकझोर कर रख दिया।

मुंबई (दादर) निवासी युवती रात करीब 02 बजे सीधे थाना बड़नगर पहुंची और पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई। युवती ने बताया कि उज्जैन निवासी युवक विकास उर्फ अंकित शर्मा से उसकी इंस्टाग्राम पर पहचान हुई थी, जो धीरे-धीरे बातचीत में बदल गई। आरोपी ने उसे शादी का झांसा दिया और मिलने के लिए बड़नगर बुलाया।

विश्वास में आई युवती जब बड़नगर पहुंची, तो आरोपी ने शादी का वादा करके उसके साथ दुष्कर्म किया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई- मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना बड़नगर पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया।

फरियादिया की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 301/2026, धारा 69 BNS के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक उज्जैन प्रदीप शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा एवं एसडीओपी महेन्द्र परमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की।

परिणामत- महज 24 घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार कर लिया गया।

कौन है आरोपी- विकास पिता जगदीश शर्मा, 28 वर्ष, ग्यास का बाड़ा, काजीपुरा, उज्जैन (हाल बड़नगर), पेशा- बैंड में कार्य करता था, रिकॉर्ड- पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सोशल मीडिया की सच्चाई- यह मामला एक बार फिर यह साबित करता है कि सोशल मीडिया पर बनी पहचान हमेशा भरोसेमंद नहीं होती, शादी का झांसा देकर अपराध करने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं

सराहनीय भूमिका- इस कार्रवाई में थाना बड़नगर पुलिस टीम ने सराहनीय कार्य किया, जिसमें निरीक्षक अशोक पाटीदार सहित पूरी टीम की सक्रिय भूमिका रही।

बड़ावदा के समीप भीषण सड़क हादसा, युवक की मौके पर मौत, पत्नी गंभीर घायल

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ावदा क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को प्राथमिक उपचार के लिए जावरा सिविल अस्पताल रेफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, विष्णु दास पिता रामदास जी बैरागी (उम्र 34 वर्ष), निवासी पिपलिया जोधा, थाना रिंगनोद अपनी पत्नी अंजू बाला पति विष्णु दास बैरागी (उम्र 33 वर्ष) के साथ बाइक क्रमांक MP 43 EF 6295 से जावरा से नागदा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार टाटा सफारी क्रमांक RJ19UB6334 ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था कि विष्णु दास बैरागी की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि उनकी पत्नी अंजू बाला गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें तत्काल बड़ावदा से जावरा सिविल अस्पताल रेफर किया गया।

बताया जा रहा है कि दंपति उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में दर्शन करने गए थे और वहां से वापस जोधपुर की ओर लौट रहे थे। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीवन जैन द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर में अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर निःशुल्क चाय वितरण कार्यक्रम आयोजित

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनांक 21 मई, अंतराष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के तत्वावधान में रेलवे स्टेशन परिसर में बेघर एवं बेसहारा लोगों के बीच निःशुल्क चाय वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जीवदया प्रेमी एवं ट्रस्ट के प्रदेश मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन (चाय वाले) द्वारा किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद महिलाओं, बुजुर्गों एवं राहगीरों को स्नेहपूर्वक चाय वितरित कर मानवता, करुणा एवं सेवा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने समाज सेवा के इस अभियान में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में विशेष रूप से युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा यादव, राष्ट्रीय मंत्री मनीष गुप्ता, युवा उज्जैन संभाग अध्यक्ष युवराज सिंह राठौर, जबलपुर संभाग अध्यक्ष अनीता दुबे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समीक्षा एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में नगरीय प्रशासन से संबंधित जिला स्तरीय समीक्षा एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगरीय निकायों में संचालित विभिन्न विकास कार्यों एवं जल प्रदाय व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान अमृत 2.0 योजना अंतर्गत जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन (रिजुवनेशन) कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इसमें झाबुआ के बहादुर सागर तालाब, पेटलावद की पम्पावती नदी, थांदला की पद्मावती नदी, राणापुर के राणासागर तालाब तथा मेघनगर के छोटा तालाब में किए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया गया। साथ ही इन स्थलों पर प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा की गई तथा जनप्रतिनिधियों के सुझाव प्राप्त किए गए। बैठक में नगरीय निकायों की जल प्रदाय व्यवस्था की भी विस्तृत समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त फायर वाहनों की उपलब्धता एवं आवश्यकता पर चर्चा करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ. भरसट ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसटीपी निर्माण कार्य वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पूर्व पूर्ण किए जाएं तथा सभी कार्य गुणवत्तापूर्वक एवं समय-सीमा में संपादित किए जाएं। बैठक में थांदला विधायक श्री वीरसिंह भूरिया, नगर परिषद अध्यक्ष राणापुर सुश्री दीपमाला दिलीपसिंह नलवाया, नगर परिषद अध्यक्ष मेघनगर श्री कमलेश मचार, झाबुआ विधायक प्रतिनिधि श्री निर्मल मेहता, डिप्टी कलेक्टर श्री महेश बडोले, मुख्य नगर पालिका अधिकारी झाबुआ श्री मिलन पटेल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उन्हेल राम जी का सब कुछ अनुकरनिय है, कृष्ण जी का सब कुछ चिंतनिय है राम जी ने जो किया है वह हम कर सकते हैं...

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल राम जी का सब कुछ अनुकरनिय है, कृष्ण जी का सब कुछ चिंतनिय है राम जी ने जो किया है वह हम कर सकते है, परंतु कृष्ण ने जो किया है वह हम नहीं कर सकते है, राम जी खड़े भी रहते हैं तो सीधे खड़े रहते हैं ,और कृष्ण खड़े भी रहते हैं तो टेढ़े खड़े रहते हैं, राम जी की मातृ पितृ भक्त राम जी का एक पत्नी व्रत पालन ,राम जी की मित्रता, राम जी का भाइयों के साथ प्रेम, सब कुछ अनुकरणीय है, राम की मर्यादा का पालन करेंगे तो ही श्री कृष्ण की प्राप्ति होगी,यह बात राधा कृष्ण स्वर्णकार समाज मंदिर में चल रही सात दिवसीय संगीत में श्रीमद् भागवत कथा के दौरान परम पूज्य पंडित श्री बालकृष्ण गणेशदत्त शास्त्री जी ने व्यासपीठ से कहीं और गजेंद्र मोक्ष का प्रसंग के साथ कहा कि जो संतों का पैर पकड़ते है।

उन्हें सद्गति मिलती है, अपने समुद्र मंथन की भी बड़ी दिव्य कथा सुनाई, आपने कहा कि समुद्र मंथन की कथा जीवन मंथन की कथा है जब आप और हम अपने जीवन का मंथन करते हैं तो सबसे पहले विश निकलता है विश या ने निंदा करकश वाणी अपमान विष है, संसार में आप अच्छे कार्य करो लोग आपकी निंदा करेंगे ,और निंदा उसी की होती है जो जिंदा होता है, समुद्र मंथन के रतन की चर्चा की और आपने वामन अवतार की कथा को बड़े मार्मिक ढंग से समझाया अपने राम कथा सुनाते हुए भगवान राम के जन्म की कथा राम जी की विवाह की कथा को बेटी विदाई का बड़ा ही करूंन प्रसंग सुनाया, राम जी के वनवास शबरी के बेर हनुमान जी से मुलाकात हनुमान जी का लंका में जाना वापस लौटकर आकर के समुद्र के किनारे पहुंचना विभीषण राम जी की शरण आए और तीन दिनों तक आपने समुद्र से प्रार्थना करें रामेश्वर स्थापना की रावण का उद्धार किया और भगवान अयोध्या लौट आए, अपने परशुराम चरित्र सुनाया नवम स्कन्द को विराम दिया, दशम स्कंध की कथा के आरंभ में कंस के पापाचार की चर्चा की एवं श्री कृष्ण जन्म की एवं बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कृष्ण जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया कथा पंडाल में नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की आवाज से गूंज उठा मानो ऐसा लग रहा था कि साक्षात कृष्ण भगवान हमारे सामने हैं श्रद्धालुओं ने भी खूब नृत्य किया पोरवाल समाज के सभी पदाधिकारी लोगों ने व्यासपीठ का पूजन कर पूज्य गुरुदेव का सम्मान किया तृतीय दिवस कथा के लाभार्थी परिवार राजकुमार सोनी राहुल सोनी रोहित सोनी थे एवं चतुर्थ दिवस श्री कृष्ण जन्मोत्सव के लाभार्थी परिवार शिवनारायण सोनी, लाल ईश्वर सोनी परिवार थे इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे यह जानकारी सतीश सोनी दी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना बनी आर्थिक संबल और सम्मान का आधार

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद पंचायत पेटलावद के ग्राम बरवेट की निवासी अंजली परमार के जीवन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना नई उम्मीद और खुशियों का माध्यम बनकर आई। सीमित आर्थिक संसाधनों वाले परिवार से आने वाली अंजली बताती हैं कि उनके पिता दिहाड़ी मजदूर हैं और जब उनकी शादी तय हुई, तब परिवार के सामने सबसे बड़ी चिंता विवाह के खर्च की थी। अंजली कहती हैं कि घर की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि शादी धूमधाम से हो सके या आवश्यक सामान की व्यवस्था आसानी से हो पाए। इसी दौरान ग्राम सचिव द्वारा उन्हें मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की जानकारी दी गई। प्रारंभ में परिवार को लगा कि सरकारी प्रक्रिया जटिल होगी, लेकिन जनपद पंचायत पेटलावद कार्यालय में आवेदन करने के बाद सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए गए और उनका नाम योजना की पात्र सूची में शामिल हो गया। अंजली का विवाह 16 मार्च 2026 को ग्राम पंचायत रायपुरिया, जनपद पंचायत पेटलावद में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में संपन्न हुआ। विवाह आयोजन के दौरान शासन द्वारा पंडाल, भोजन, पूजा-पाठ सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सम्मानपूर्वक उपलब्ध कराई गईं। इसके पश्चात 21 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री कन्या विवाह प्रोत्साहन राशि के रूप में 49 हजार रुपए सीधे उनके बैंक खाते में जमा किए गए। अंजली बताती हैं कि इस आर्थिक सहायता से उन्हें अपने नए गृहस्थ जीवन की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली। सबसे बड़ी बात यह रही कि उनके पिता को विवाह के लिए किसी से कर्ज लेने या आर्थिक सहायता मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ी। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि बेटियों के आत्मसम्मान और परिवारों के सम्मान की रक्षा करने वाली पहल है।

नागदा का विकास रुका या रोका गया? जनता पूछ रही सवाल, उम्मीदें अब भी बरकरार

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी औद्योगिक पहचान, व्यापारिक गतिविधियों और रणनीतिक महत्व के कारण प्रदेश के प्रमुख शहरों में गिना जाता था, लेकिन आज शहर विकास की रफ्तार को लेकर कई सवालों के बीच खड़ा नजर आ रहा है। बड़े उद्योग, दिल्ली-मुंबई मुख्य रेलमार्ग से सीधा जुड़ाव और भौगोलिक दृष्टि से मजबूत स्थिति होने के बावजूद शहर अपेक्षित विकास नहीं कर पाया, जिससे नागरिकों में असंतोष बढ़ता दिखाई दे रहा है।

सोशल मीडिया पर उठ रही आवाजें- इन दिनों सोशल मीडिया पर शहर की टूटी सड़कें, पेयजल समस्या, सफाई व्यवस्था, रोजगार के सीमित अवसर और अधूरे विकास कार्यों को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। शहरवासी खुलकर सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर इतने संसाधनों और संभावनाओं के बावजूद नागदा विकास की दौड़ में पीछे क्यों रह गया?

हालांकि इन चर्चाओं के बीच एक सकारात्मक पहलू भी सामने आ रहा है – लोग केवल आलोचना नहीं कर रहे, बल्कि समाधान और विकास की नई दिशा की भी मांग कर रहे हैं। नागरिकों का मानना है कि यदि जनप्रतिनिधि और उद्योग जगत मिलकर ठोस योजना बनाएं, तो नागदा फिर से अपनी मजबूत पहचान हासिल कर सकता है।

जिले की मांग भी अधूरी - लंबे समय से नागदा को जिला बनाने की मांग उठती रही है। नागरिकों को उम्मीद थी कि जिला बनने से प्रशासनिक सुविधाएं बढ़ेंगी, नए सरकारी कार्यालय खुलेंगे और विकास को गति मिलेगी। लेकिन वर्षों बाद भी यह मांग अधूरी है। इससे लोगों में निराशा जरूर है, पर उम्मीद खत्म नहीं हुई।

उद्योगों की धीमी होती रफ्तार चिंता का विषय - नागदा की पहचान देशभर में औद्योगिक शहर के रूप में रही है। यहां वर्षों तक बड़े उद्योगों ने हजारों लोगों को रोजगार दिया, लेकिन अब श्रमिकों की छंटनी, कुछ इकाइयों के बंद होने और नए निवेश की कमी ने शहर की आर्थिक रफ्तार को प्रभावित किया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि नागदा में आज भी औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। यदि सरकार मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करे और निवेश को प्रोत्साहन दे, तो यहां नए उद्योग स्थापित हो सकते हैं।

कृषि और व्यापार में भी संभावनाएं - नागदा के आसपास का क्षेत्र कृषि प्रधान है, लेकिन किसान जावरा, मंदसौर, उन्हेल और खाचरौद की ओर रुख कर रहे हैं। यदि नागदा में और बेहतर आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएं, तो यह क्षेत्र किसानों और व्यापारियों के लिए बड़ा केंद्र बन सकता है।

अधूरी परियोजनाओं से बढ़ रही नाराजगी - फोरलेन परियोजना और रेलवे से जुड़ी कई उम्मीदें अभी अधूरी हैं। लोगों को उम्मीद थी कि इन परियोजनाओं से व्यापार, परिवहन और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन कार्यों की धीमी गति ने नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है।

रेलवे में इंजन बदलने की प्रक्रिया बंद होने और भाटीसुडा-रोहलखुर्द रेललाइन को लेकर चल रही चर्चाओं ने भी लोगों के बीच मिश्रित प्रतिक्रिया पैदा की है। नागरिकों का कहना है कि यदि सड़क और रेलवे परियोजनाओं को गंभीरता से आगे बढ़ाया जाए, तो नागदा एक बार फिर क्षेत्रीय विकास का प्रमुख केंद्र बन सकता है।

सवाल भी, उम्मीद भी - शहरवासियों का साफ कहना है कि नागदा में संभावनाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है दूरदर्शी योजना, मजबूत नेतृत्व, उद्योगों को प्रोत्साहन और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की।

नागदा आज चुनौतियों और संभावनाओं- दोनों के दौर से गुजर रहा है। जनता सवाल भी पूछ रही है और उम्मीद भी लगाए बैठी है। अब नजर जनप्रतिनिधियों और उद्योग जगत पर है कि वे इस विश्वास को कितनी गंभीरता से लेते हैं। क्योंकि शहर का विकास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि सामूहिक इच्छाशक्ति और ठोस कार्यों से तय होता है – और नागदा के नागरिक आज भी उसी बदलाव का इंतजार कर रहे हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी वर्षाकाल को दृष्टिगत रखते हुए जिले में संभावित प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक मे विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ वर्षा काल के दौरान आने वाली संभावित आपदाओं, राहत एवं बचाव कार्यों, संसाधनों की उपलब्धता तथा विभागवार तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वर्षाकाल के दौरान जिले के सभी संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यक पूर्व तैयारियां सुनिश्चित की जाएं।

विशेष रूप से ऐसे पुल-पुलियों एवं मार्गों को चिन्हित किया जाए जहां भारी वर्षा के दौरान जलभराव अथवा पानी का बहाव रहता है। इन स्थानों पर चेतावनी बोर्ड, संकेतक एवं बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

कलेक्टर ने विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि वर्षा के दौरान विद्युत बाधित होने की स्थिति में त्वरित रेस्टोरेशन कार्य के लिए आवश्यक संसाधन एवं टीमों की पूर्व तैयारी रखी जाए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में इमरजेंसी मेडिसिन, आवश्यक उपकरण एवं मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में खाद्य विभाग को निर्देश दिए गए कि संभावित आपदा की स्थिति में खाद्यान्न वितरण प्रभावित न हो, इसके लिए पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न भंडारण एवं वितरण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा पशुपालन विभाग को पशुओं के लिए चारा, दवाइयों एवं उपचार की समुचित व्यवस्था बनाए रखने तथा पशुहानि की स्थिति में आर्थिक सहायता संबंधी प्रकरण समय पर तैयार करने के निर्देश दिए गए।

सुसनेर में बस स्टैंड पर भीषण गर्मी में यात्री बेहाल, प्रतीक्षालय में पंखे तक नहीं

नगर परिषद वसूल रही शुल्क, फिर भी बस स्टैंड पर सुविधाओं का अभाव

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी ने आमजन का हाल बेहाल कर दिया है। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं का असर देखने को मिल रहा है वहीं दोपहर के समय तापमान बढ़ने से लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। ऐसी स्थिति में नगर के मुख्य बस स्टैंड पर यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बस स्टैंड स्थित यात्री प्रतीक्षालय में पंखे तक नहीं लगे होने से यात्रियों को तपती गर्मी के बीच घंटों बसों का इंतजार करना पड़ रहा है। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग बस स्टैंड पहुंचते हैं। इनमें महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे, छात्र-छात्राएं एवं मरीज भी शामिल रहते हैं। लेकिन यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। यात्री प्रतीक्षालय में हवा की कोई व्यवस्था नहीं होने से लोग पसीने से तरबतर होकर बैठने को मजबूर हैं। कई यात्री गर्मी से बचने के लिए प्रतीक्षालय छोड़कर पेड़ों की छांव या दुकानों के सामने खड़े नजर आते हैं। दोपहर के समय बस स्टैंड परिसर किसी तपते कमरे जैसा महसूस होता है। यात्रियों का कहना है कि कई बार बसें निर्धारित समय से देरी से पहुंचती हैं, जिससे लोगों को लंबे समय तक गर्मी में बैठना पड़ता है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं बस स्टैंड परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं है। जगह-जगह गंदगी फैली हुई है और कचरे के ढेर दिखाई देते हैं। जिससे यात्रियों में नाराजगी बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि नगर परिषद द्वारा बसों से नियमित रूप से रसीद काटकर शुल्क वसूला जाता है। इस शुल्क का उद्देश्य बस स्टैंड की व्यवस्थाओं का संचालन एवं यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना है। लेकिन इसके बावजूद बस स्टैंड पर पंखे, स्वच्छ पेयजल और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। लोगों का कहना है कि जब नगर परिषद द्वारा प्रतिदिन शुल्क वसूला जा रहा है तो यात्रियों को बेहतर सुविधाएं भी मिलनी चाहिए।नागरिकों एवं यात्रियों ने प्रशासन और नगर परिषद से मांग की है कि बस स्टैंड पर शीघ्र पंखे लगाए जाएं, साफ-सफाई व्यवस्था सुधारी जाए तथा यात्रियों को गर्मी से राहत देने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं, ताकि लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

इनका कहना- बस स्टैंड पर पंखे लगाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी आवश्यक है। रात्रि के समय वहां चोरी होने का डर बना रहता है। यदि पंखे लगाए जाते हैं तो उनकी सुरक्षा के लिए चौकीदार रखना पड़ेगा। नगर परिषद स्तर पर इस संबंध में व्यवस्था बनाने पर विचार किया जाएगा।

-ओपी नागर,
नगर परिषद सीएमओ सुसनेर

कलेक्टर की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में जिला चिकित्सालय झाबुआ में रोगी कल्याण समिति की कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, आधारभूत संरचना सुधार तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा कर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बैठक में जिला चिकित्सालय भवन की जर्जर स्थिति एवं संभावित जनहानि को दृष्टिगत रखते हुए तस्दीकी की टीम से स्ट्रक्चरल ऑडिट कराए जाने के प्रस्ताव को सहमति प्रदान की गई। इसके अंतर्गत भवन का रैपिड विजुअल स्क्रीनिंग, स्ट्रक्चरल ऑडिट एवं नॉन डेस्ट्रक्टिव टेस्टिंग कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिला चिकित्सालय परिसर में रोगी कल्याण समिति अंतर्गत संचालित दुकानों के नवीनीकरण एवं मासिक किराया वृद्धि संबंधी प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई। मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सोनोग्राफी जांच हेतु आवश्यक कर्विलीनियर प्रोब उपकरण क्रय करने तथा सर्जिकल वार्ड एवं एनआरसी में आरओ एवं वाटर कूलर स्थापना कार्यों के भुगतान संबंधी प्रस्ताव भी बैठक में रखे गए।

जिला चिकित्सालय की इंटरकॉम टेलीफोन व्यवस्था के मरम्मत कार्य, बंद पड़ी दुकान को आउटलेट के रूप में विकसित करने एवं अस्पताल परिसर में अन्य व्यवस्थागत सुधार कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बिना अनुमति नगर परिषद दुकानों का पुनर्निर्माण, पार्षदों ने जताई आपत्ति

बिना अनुमति दुकानें तोड़कर नया निर्माण, परिषद करेगी जांच

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सुसनेर की संपत्ति पर बिना अनुमति निर्माण कार्य किए जाने का मामला सामने आया है। जामा मस्जिद रोड स्थित नगर परिषद के शॉपिंग कॉम्पलेक्स की कुछ दुकानों का पुराने निर्माण को हटाकर नया निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया, जिस पर नगर के पार्षदों ने आपत्ति दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद की चार दुकानें शासन द्वारा हाजी सलीम, इकराम, ओमप्रकाश एवं कमलेश को आवंटित की गई थीं। इनमें से दो दुकानदारों की मृत्यु हो चुकी है। बताया जा रहा है कि संबंधित दुकानों के परिजनों द्वारा बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के पुरानी दुकानों को गिराकर नए निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद नगर के जागरूक पार्षदों ने नगर परिषद में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। पार्षदों का कहना है कि परिषद की संपत्ति पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य नियमों के तहत और अनुमति लेकर ही किया जाना चाहिए। बिना अनुमति निर्माण कार्य होने से परिषद के नियमों की अनदेखी हो रही है तथा अन्य लोगों में भी गलत संदेश जा सकता है। इस संबंध में नगर परिषद सीएमओ ओमप्रकाश नागर ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद नगर में परिषद संपत्तियों के उपयोग एवं नियमों के पालन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सिविल अस्पताल में पुलिस चौकी नहीं, रात में असामाजिक तत्वों का बना रहता डर

अस्पताल में चोरी व अभद्रता की घटनाओं से बढ़ी चिंता

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिविल अस्पताल सुसनेर में पुलिस चौकी नहीं होने से मरीजों, उनके परिजनों और स्वास्थ्य कर्मचारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण रात्रि के समय असामाजिक तत्वों और नशे में धुत लोगों की आवाजाही बनी रहती है। जिससे मरीजों और परिजनों में भय का माहौल बना रहता है। वहीं पूर्व में अस्पताल में चोरी और स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ अभद्रता की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद अब तक अस्पताल परिसर में पुलिस चौकी स्थापित नहीं हो सकी है।

अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीजों के परिजनों का कहना है कि रात के समय सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होने से वे खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। कई बार नशे की हालत में लोग अस्पताल परिसर में पहुंच जाते हैं और हंगामा करते हैं। जिससे मरीजों, महिला कर्मचारियों और परिजनों को परेशानी उठानी पड़ती है। अस्पताल परिसर में मोबाइल और अन्य सामान चोरी होने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने बताया कि पूर्व में उनके साथ अभद्रता और विवाद की घटनाएं होने के बाद अस्पताल में पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की गई थी। ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता मिल सके लेकिन अब तक मांग पूरी नहीं हो सकी है। अस्पताल में रात्रिकालीन ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को हमेशा किसी अप्रिय घटना का डर बना रहता है। वहीं पोस्टमार्टम प्रक्रिया में भी पुलिस चौकी नहीं होने के कारण काफी समय लग जाता है। दुर्घटना या गंभीर घटनाओं में मृतक को पहले अस्पताल लाया जाता है जहां डॉक्टर द्वारा एमएलसी तैयार की जाती है। इसके बाद परिजन या स्वास्थ्य कर्मी को रिपोर्ट लेकर थाने जाना पड़ता है और पुलिस के अस्पताल पहुंचने का इंतजार करना पड़ता है। पुलिस द्वारा पंचनामा और अन्य कार्रवाई पूरी करने के बाद ही पोस्टमार्टम शुरू हो पाता है। इस पूरी प्रक्रिया में कई घंटे लग जाते हैं। जिससे परिजनों को परेशान होना पड़ता है।गंभीर मरीजों के मामलों में भी पुलिस की अनुपस्थिति के कारण कार्रवाई में देरी होती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अस्पताल परिसर में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित कर पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई जाए तो सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी व असामाजिक तत्वों पर रोक लगेगी और मरीजों सहित स्वास्थ्य कर्मचारियों को राहत मिलेगी। साथ ही पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी प्रक्रियाएं भी समय पर पूरी हो सकेंगी। क्षेत्रवासियों और अस्पताल कर्मचारियों ने प्रशासन से मांग की है कि मरीजों की सुरक्षा और अस्पताल की व्यवस्था को देखते हुए जल्द से जल्द सिविल अस्पताल परिसर में पुलिस चौकी स्थापित की जाए।

इनका कहना- अस्पताल परिसर में पुलिस चौकी स्थापित करना जिला प्रशासन और उच्च अधिकारियों के निर्देश पर निर्भर करता है। किसी भी सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करती है। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए समय-समय पर पुलिस गश्त भी कराई जाती है।

-अक्षय सिंह बेस, थाना प्रभारी सुसनेर

सिंगोली में पूर्व पीएम राजीव गांधी को दी श्रद्धांजलि, कांग्रेसजनों ने किया पुण्य स्मरण

नगर अध्यक्ष बोले- राजीव गांधी ने देश को दी आधुनिक सोच और तकनीकी विकास

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्य स्मृति में बुधवार को नगर कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन सिंगोली में प्रातः 9:30 बजे श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्व. राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ नेता पंकज तिवारी, सुधीर लसोड़, राजू नांदेचा, कमल शर्मा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष राजेश भंडारी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़, अल्पसंख्यक अध्यक्ष इमरान भाई, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष बनवारी जोशी, पूर्व नगर अध्यक्ष राजेश कुमार नागौरी, पूर्व मंडलम अध्यक्ष संदीप अग्रवाल, युवा नेता राजकुमार छीपा, धीरज जैन, प्रताप सिंह, गोटू धाकड़, सत्यनारायण बिश्नोई, खाजू भाई, पप्पू भाई ठाकुर, संजय भंडारी एवं इकबाल भाई सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष राजेश भंडारी ने कहा कि राजीव गांधी ने देश को आधुनिक सोच, तकनीकी विकास और युवाओं को नई दिशा देने का कार्य किया। कांग्रेस पार्टी हमेशा गरीब, किसान, मजदूर एवं आमजन की आवाज रही है और आज भी कांग्रेस की विचारधारा के प्रति लोगों में गहरा विश्वास है।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़ ने कहा कि राजीव गांधी ने देश की एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष बनवारी जोशी ने कहा कि राजीव गांधी दूरदर्शी नेता थे जिन्होंने गांव, गरीब और किसानों के विकास को प्राथमिकता दी तथा देश को नई तकनीकी क्रांति की ओर अग्रसर किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजू नांदेचा ने कहा कि राजीव गांधी ने हमेशा सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की राजनीति को महत्व दिया। उनके आदर्शों पर चलकर ही देश में मजबूत लोकतंत्र कायम रह सकता है।

आगर-मालवा में लोक परिवहन बसों की सघन जांच शुरू, 27 मई तक चलेगा विशेष अभियान

इमरजेंसी गेट बंद कर सीट लगाने पर होगी FIR, बस संचालकों को दिए कड़े निर्देश

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में लगातार हो रही बस दुर्घटनाओं और उनमें आपातकालीन निकास की कमी से हो रही जनहानि को देखते हुए पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर आगर मालवा जिले में बुधवार से ÷लोक परिवहन बसों का विशेष जांच एवं प्रवर्तन अभियान÷ शुरू किया गया है। यह अभियान 27 मई तक चलेगा।

20 बस संचालकों की ली गई बैठक - पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के मार्गदर्शन में बुधवार को एसपी कार्यालय के मीटिंग हॉल में जिले के लगभग 20 बस संचालकों की बैठक बुलाई गई। यातायात सूबेदार जगदीश यादव ने संचालकों को यात्री सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी और मोटरयान अधिनियम का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी।

ये रहना जरूरी, वरना होगी कार्रवाई - बैठक में साफ निर्देश दिए गए कि हर बस में फायर एक्सटिंग्विशर, खुलने वाला इमरजेंसी गेट और फर्स्ट एड बॉक्स चालू हालत में होना चाहिए। साथ ही बस के आरसी, परमिट, फिटनेस, बीमा, ड्राइवर का लाइसेंस और बैज अपडेट रहें।

एसपी सोनी ने चेतावनी दी कि यदि किसी बस में इमरजेंसी गेट बंद कर अतिरिक्त सीट लगाई मिली तो मौके पर वीडियोग्राफी और पंचनामा बनाकर मोटरयान संशोधन अधिनियम-2019 के तहत स्वढ्ढक्र दर्ज की जाएगी। ओवरलोडिंग, ओवरस्पीडिंग और नशे में वाहन चलाने पर भी जीरो टॉलरेंस रहेगा।

बस स्टैंड पर उतरी पुलिस, शुरू हुई जांच - बैठक के तुरंत बाद जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों ने बस स्टैंड और मुख्य मार्गों पर बसों की सघन जांच शुरू कर दी। इस दौरान इमरजेंसी गेट, आग बुझाने के यंत्र, दस्तावेज, ओवरलोडिंग और फिटनेस की जांच की गई। चालक-परिचालकों को नियमों का पालन करने की समझाइश भी दी गई।

पुलिस की अपील - आगर मालवा पुलिस ने यात्रियों से अपील की है कि केवल सुरक्षा मानकों को पूरा करने वाली बसों में ही यात्रा करें। यदि कोई बस संचालक नियम तोड़ता दिखे तो तत्काल डायल-100 या नजदीकी थाने पर सूचना दें। पुलिस ने कहा कि अभियान के दौरान रोजाना चेकिंग जारी रहेगी।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के निर्देशन में शिकारपुरा पुलिस की बड़ी सफलता

गुम इंसान मामले में अंधे कत्ल का सनसनीखेज खुलासा विधि विरुध्द बालक सहित अन्य दो आरोपी गिरफ्तार

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी महोदय के कुशल निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक गौरव पाटिल। के नेतृत्व में, थाना शिकारपुरा पुलिस ने तत्परता और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से महज कुछ ही घंटों के भीतर एक अंधे कत्ल की गुत्थी को सुलझाते हुए एक विधिविरुध्द बालक एवं दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिन्होने अपने ही दोस्त की हत्या कर साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से उसकी लाश को ताप्ती नदी के किनारे मसान घाट में गाड़ दिया था।

थाना शिकारपुरा में मृतक चेतन पिता सोहनलाल बेनीवाल निवासी बलवाड़ टेकरी, जैनाबाद की गुमशुदगी के संबंध में गुम इंसान क्रमांक 21/2026 दर्ज कर जांच की जा रही थी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी महोदय द्वारा तत्काल टीम गठित कर तकनीकी एवं व्यावहारिक साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए गए थे।

जांच के दौरान मृतक के परिजनों के बयानों और संदेही दोस्तों की गतिविधियों पर पुलिस को शक हुआ। पुलिस टीम द्वारा बलवाड़ टेकरी क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की सघन फुटेज खंगाली गई। फुटेज में दिनांक 18.05.2026 की रात्रि करीब 21:27 बजे मृतक चेतन बेनीवाल अपने नाबालिक दोस्त और शुभम सुनहरे के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर आहूखाना होते हुए मसान घाट की तरफ जाता हुआ दिखाई दिया। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदेही विधि विरुध्द बालक और शुभम पिता सोहनलाल सुनहरे को अभिरक्षा में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ में विधि विरुध्द बालक ने कुबूल किया कि पूर्व में मृतक ने ऐंसी घटना कारित की थी जिससे की विधि विरुध्द बालक को अपने परिजन को खोना पडा था। इसी बदले की भावना से ग्रसित होकर आरोपियों ने चेतन को जान से मारने की योजना बनाई।

दिनांक 18 मई की रात विधि विरुध्द बालक एवं आरोपी शुभम, चेतन को ताप्ती नदी किनारे शौच के बहाने ले गए, जहाँ उसकी बेरहमी से हत्या कर दी और अन्य आरोपी शांतीलाल की मदद से शव को छुपाने की नियत से गड्ढा खोदकर गाड़ दिया।

आरोपियों के मेमोरेंडम कथन के आधार पर थाना प्रभारी शिकारपुरा पुलिस बल और पंचांन को लेकर ताप्ती नदी किनारे मसान घाट पहुंचे। एसडीएम महोदय बुरहानपुर से अनुमति प्राप्त कर उनकी उपस्थिति में चिन्हित स्थान पर खुदाई कराई गई, जहां से मृतक चेतन का शव बरामद हुआ। मृतक के भाई कालू और शेरा बेनीवाल ने कपड़ों व कद-काठी आदि से शव की शिनाख्त की।

आरोपियों का कृत्य गंभीर पाए जाने पर थाना शिकारपुरा में अपराध क्रमांक 161/2026, धारा- 103(1) (हत्या), 61(2)(क) /आपराधिक षड्यंत्र), 238(क) (साक्ष्य छुपाना) BNS के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। एक विधिविरुध्द बालक एवं दो आरोपी शुभम सुनहरे एवं शांतीलाल से घटना में प्रयुक्त औजार, पहने हुये कपडे, घटना में प्रयुक्त वाहन जप्त कर गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। जहां से उन्हें जेल भेजा जा रहा है।

गिरफ्तार आरोपी- शुभम पिता सोहनलाल सुनहरे उम्र 18 साल निवासी ग्राम बलवा टेकरी जैनाबाद थाना शिकारपुरा जिला बुरहानपुर

शांतिलाल पिता भगवान दास चौहान उम्र 44 साल निवासी ग्राम बलवा टेकरी जैनाबाद थाना शिकारपुरा जिला बुरहानपुर

विधि विरुध्द बालक

सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी शिकारपुरा निरीक्षक संदीप चौरसिया, उनि.अलीमउद्दीन, सउनि. देवेन्द्र पाटिल, सउनि. संजीव पगारे, सउनि. पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, प्रआर. 94 रफीक खान, प्रआर.119 विजय पाटीदार, प्रआर. 425 संजय कपोले, प्रआर.97 सचिन मिश्रा

प्रआर.313 अमोल देशमुख, प्रआर. 168 विनोद पाटिल, प्रआर. 37 दीपेन्द्र तंवर, आर. 152 विजय बड़कारे, आर. 201 राहुल सारासर, आर. 321 गणेश तंवर, और आर. 194 सुनील पाटीदार की सराहनीय भूमिका रही।

बिजली कंपनियों के निजीकरण से कार्मिकों का वेतन, सेवा शर्तें, पेंशन असुरक्षित - डॉ संजय सिंह

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। बिजली फेडरेशन के राष्ट्रीय सेकेट्री जनरल,आल इंडिया इंटक के राष्ट्रीय महासचिव डॉ संजय सिंह ने मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन, जबलपुर के प्रतिनिधियों और मध्यप्रदेश के अन्य श्रम संगठनों के साथ हुई बैठक में प्रतिनिधि गणों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन देश में बिजली कंपनियों के निजीकरण को बड़ी तीव्र गति से करने समुचित प्रयास कर रही है किन्तु इन कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों संविदा कर्मियों के ना तो वेतन की और ना ही सेवा शर्तों यथावत रहेगी का निर्धारण कर रही है। इसी तरह देश की बिजली कंपनियों से सेवा निवृत्त हुए लाखों पेंशनर्स की पेंशन की गारंटी राज्य सरकारें नहीं ले रही है। जिससे इन बिजली कंपनियों में कार्यरत सभी श्रेणियों के कर्मचारियों और पेंशनर्स के मन में अपने भविष्य को लेकर असुरक्षा की भावना बनी हुई है।डॉ संजय सिंह ने कहा कि श्रम संगठनों को श्रमिकों के हित को सर्वोपरि रखकर कार्य करना चाहिए ।

हर समस्या का समाधान चर्चा से बैठकर ही निकलता है। उन्होंने कहा कि निजीकरण से सबसे ज्यादा संविदा,आऊट सोर्स कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों का भविष्य असुरक्षित हो जाएंगा, अर्थात उनका शोषण होगा। बैठक में अनेक श्रम संगठनों का नेतृत्व करने वाले श्री रामराज्य तिवारी जी,खदान और अन्य श्रम संगठनों के नेता श्री नरेंद्र मिश्रा, मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन जबलपुर के महामंत्री राकेश डी पी पाठक, वरिष्ठ जोनल सचिव श्री एन के यादव, प्रांतीय उपाध्यक्ष उमाशंकर मेहता, अफसार अहमद, गोपाल चौहान, रामेश्वर गांगे सहित अन्य फेडरेशन के साथी गण? उपस्थित थे। मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन, जबलपुर द्वारा श्रम संगठनों के राष्ट्रीय नेता संजय सिंह का शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया गया । इस अवसर पर मध्यप्रदेश इंटक के उपाध्यक्ष श्री रामराज्य तिवारी ने कहा कि नये श्रम संहिता लागू होने से अब श्रमिकों, कामगारों की समस्यायों, मांगों का समाधान होना बड़ी जटिल समस्या हो जाएंगा। उन्होंने मध्यप्रदेश की स्थिति पर विस्तृत प्रकाश डाला। इंटक सचिव नरेंद्र मिश्रा ने बताया कि श्रमिकों, कामगारों की समस्यायों के समाधान हेतु वे निरंतर प्रयास रत रहते हैं,अनेक प्रकरणों में लेबर कमिश्नर के समक्ष स्वत. पैरवी कर न्याय दिला रहे हैं।

बैठक में फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि नयी श्रम संहिता लागू होने और बिजली कंपनियों के निजीकरण से बिजली कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों, पेंशनर्स पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कार्मिकों, कंपनी कैडर कार्मिकों, नियमित कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्यायों के विषय में फेडरेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों, प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि सरकार बिजली कंपनियों के निजीकरण के पूर्व कार्यरत सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के वेतन और पेंशनर्स की पेंशन की गारंटी ले साथ ही यह सुनिश्चित करें कि कर्मचारियों के लिए निर्धारित सेवा शर्तों में कोई परिवर्तन नहीं होगा वे यथावत रहेगी। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कर्मचारियों को नियमित किया जायेगा। सभी आऊट सोर्स कर्मचारियों को सेवा से पृथक नहीं किया जाएगा।

इस अवसर संजय सिंह जी ने कहा कि श्रमिकों, कामगारों और विशेषकर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की बेहतरी, सुरक्षा और सुरक्षित भविष्य के लिए श्रम संगठनों को और अधिक सुदृढ़ एवं सक्रियता के साथ काम करना होगा। क्योंकि नयी श्रम संहिता लागू होने से श्रमिकों, कामगारों और विशेषकर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों, ठेका श्रमिकों का भविष्य असुरक्षित हो गया है। राष्ट्रीय महासचिव डॉ संजय सिंह ने कहा कि आज श्रम संगठनों को अपने- अपने क्षेत्र में और अधिक सक्रिय ,सजग, सक्षमता के साथ अपनी मांगों को अच्छे ढंग से प्रबंधन के समक्ष रखना चाहिएं।

डॉ संजय सिंह जी ने बताया कि श्रमिकों के हित व सुरक्षा के लिए नये श्रम संहिता का देश भर में इंटक संयुक्त मोर्चा के साथ मिलकर पुरजोर,प्रभावी ढंग से विरोध कर रहा है। एन के यादव ने मध्यप्रदेश में होने वाली नयी भर्ती में सभी संविदा कर्मियों का संविलयन करने और आउट सोर्स कार्मिकों को 50 प्रतिशत का भर्ती में आरक्षण देकर नियमित करने की अपील की। उमाशंकर मेहता ने फेडरेशन के इतिहास और सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के हित में लगातार कराएं गये निर्णयों और वर्तमान में किए जा रहे कार्यों की जानकारी रखी।

नीमच में राजीव गांधी को श्रद्धांजलि- कांग्रेस ने गांधी भवन में याद किए आधुनिक भारत के शिल्पकार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरुवार को गांधी भवन में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 35वीं पुण्यतिथि सादगी और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी के व्यक्तित्व और उनके नेतृत्व पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने देश को आधुनिक तकनीक, कंप्यूटर और दूरसंचार क्रांति की दिशा दी। उनके कार्यकाल में भारत ने तकनीकी विकास की ओर निर्णायक कदम बढ़ाए, जिसका लाभ आज भी देश को मिल रहा है। कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि राजीव गांधी युवाओं की सोच को समझने वाले नेता थे। उन्होंने पंचायत राज व्यवस्था को मजबूत किया, ग्रामीण विकास को गति दी और शिक्षा व विज्ञान के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की। वक्ताओं ने उन्हें प्रगतिशील सोच, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकास की राजनीति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि उनका सपना भारत को 21वीं सदी में अग्रणी राष्ट्र बनाना था। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेसजनों ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस दौरान शहर कांग्रेस के कई पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता और कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में खाद्य, सहकारिता एवं जिला केंद्रीय बैंक की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में खाद्य विभाग, सहकारिता विभाग एवं जिला केंद्रीय बैंक के अधिकारियों तथा जिले के समस्त संस्था प्रबंधकों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकानों से राशन वितरण, खाद्यान्न परिवहन एवं वितरण व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के कुल 2,21,906 पात्र परिवारों को शत-प्रतिशत राशन वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर एवं पात्रता अनुसार गेहूं एवं चावल सहित खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए तथा वितरण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में संस्था प्रबंधकों एवं उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं को निर्देशित किया गया कि वे सभी पात्र परिवारों एवं सदस्यों के आयुष्मान कार्ड संबंधी जानकारी संधारित करें। जिन पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड अभी तक नहीं बने हैं, उन्हें प्राथमिकता से कार्ड बनवाने हेतु प्रेरित किया जाए तथा आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए। कलेक्टर ने खाद्यान्न प्राप्त कर रहे सभी पात्र परिवारों के सदस्यों का ई-केवाईसी कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी कार्य में तेजी लाते हुए पात्र हितग्राहियों का सत्यापन समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं प्रभावी रूप से हितग्राहियों तक पहुंच सके। बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारी, जिला केंद्रीय बैंक के प्रतिनिधि, संस्था प्रबंधक एवं उचित मूल्य दुकान संचालक उपस्थित रहे।

एसडीओपी श्री परमार को रुस्तम जी अवार्ड मिलने पर विभिन्न संस्थाओं ने किया अभिनंदन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पुलिस के सर्वोच्च पुरस्कार रुस्तम जी अवार्ड से सम्मानित एसडीओपी एम एस परमार का नगर की विभिन्न संस्थाओं ने अभिनंदन किया। श्री परमार का अभिनंदन करने वाली संस्थाओं में हिंदू पंचान समिति ,गीता भवन मुस्लिम समाज के शहर काजी, बार एसोसिएशन, जन परिषद आदि संस्थाए शामिल थी। इस अवसर पर श्री परमार. ने अपने अभिनंदन के उत्तर में कहा कि पुलिस को सफलता पुलिस टीम के सहयोग एवं जन सहयोग से मिलती है ।मेरी कर्तव्य निष्ठा में पुलिस प्रशासन का पूरा सहयोग मिला जिससे मुझे यहा अवार्ड मिला ।श्री परमार को मिले अवार्ड की जानकारी देते हुए प्रेमचंद द्वितीय ने बताया श्री परमार जब खातेगांव में टी आय के पद पर पदस्थ थे तब एक 10 वर्षीय छात्रा के शव मिलने पर श्री परमार ने 24 घंटे में आरोपी को गिरफ्तार किया और एक माह में चालान पेश किया तथा इस त्वरित कार्रवाई से मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चला और कोर्ट ने आरोपी को फांसी की सजा सुनाई ।श्री परमार की कर्तव्य निष्ठा, बहादुरी और कार्रवाई में त्वरितता के कारण उन्हें मध्य प्रदेश पुलिस के सबसे बड़े अवॉर्ड के एफ रुस्तम जी अवार्ड से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 11 मई को सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित थाना प्रभारी श अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि पुलिस जन सहयोग और अपनी टीम की बदौलत अपराधियों को पकड़ने और अपराध पर शिकंजा लगाने में सफल होती है । प्रारंभ में कार्यक्रम के समन्वयक शाकिर खान एवं प्रेमचंद त्रिवेदी द्वितीय ने अतिथियों का स्वागत किया। तथा हिंदू पंचान समिति के प्रमुख विराग मिश्रा ,गीता भवन के अध्यक्ष हरि किशन मेलवानी, शहर काजी नसरुद्दीन साहब, विजय गोखरू आदि ने श्री परमार को प्रतीक चिन्ह एवं शाल श्रीफल भेंटकर अभिनंदन किया ।इस अवसर पर एसडीओपी श्री परमार एवं टीआई श्री पाटीदार ने पुलिस थाने में पेयजल समस्या हल करने के लिए सहयोग देने वाले एडवोकेट शाकिर खान को प्रशस्ति पत्र दिया तथा पुष्प माला से स्वागत किया ।समारोह में भय्यूभाई सरकार ,इरशाद भाई ,अखिलेश चतुर्वेदी ,राजकुमार जैन,ललित सराफ, अखलाक भाई ,रईस रहमानिया ,सज्जाद मिर्जा आदि उपस्थित थे ।अंत में आभार विराग मिश्रा ने माना ।

चित्र में श्री परमार का अभिनंदन करते विभिन्न संस्था के प्रतिनिधि गण चित्र दो शाकिर खान को प्रशस्ति पत्र देते हुए पुलिस अधिकारी।

प्रमुख सचिव मनीष सिंह ने ग्राम हत्यादेली की नल जल योजना का किया निरीक्षण

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह द्वारा आज जिला झाबुआ के विकासखंड रामा अंतर्गत ग्राम हत्यादेली में संचालित नल जल योजना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने योजना के माध्यम से ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जा रही पेयजल व्यवस्था की जानकारी ली तथा योजना के संचालन एवं रखरखाव की समीक्षा की। प्रमुख सचिव श्री सिंह ने ग्राम की महिलाओं एवं ग्रामीणजनों से सीधे संवाद कर नल जल योजना से मिल रहे लाभ के संबंध में चर्चा की। ग्राम की महिलाओं ने बताया कि ग्राम में नियमित रूप से जल प्रदाय किया जा रहा है तथा जल कर की वसूली भी व्यवस्थित रूप से की जा रही है। ग्रामीणों ने योजना के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि नल जल योजना प्रारंभ होने से पेयजल की समस्या में काफी राहत मिली है तथा घरों तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना का संचालन सतत एवं सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध होता रहे। उन्होंने जल स्रोतों के संरक्षण, समय पर संधारण कार्य एवं जनसहभागिता को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री जितेन्द्र मावी, जल निगम से श्री कुलदीप सिंह, तहसीलदार सुश्री वैशाली सोलंकी, एसडीओ पीएचई श्री दयालु राठौर एवं संबंधित विभागीय अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

जीवाजी वेधशाला में टेलिस्कोप से दिख रहे चांद के पहाड़ और बृहस्पति के उपग्रह

28 मई तक चलेगा आठ दिवसीय आयोजन, शाम 7 से 9 बजे तक हो रहा आकाशीय अवलोकन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष की दुनिया को करीब से जानने के इच्छुक लोगों के लिए जीवाजी वेधशाला में गुरुवार से आठ दिवसीय ग्रीष्मकालीन आकाशीय अवलोकन शिविर शुरू हो गया। शिविर में बच्चे और बड़े आधुनिक टेलिस्कोप की मदद से चंद्रमा, शुक्र और बृहस्पति जैसे ग्रहों का लाइव अवलोकन कर रहे हैं।

वेधशाला में शुरू हुए इस विशेष आयोजन में प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 9 बजे तक आकाशीय गतिविधियों का अवलोकन कराया जा रहा है। वर्तमान में सूर्यास्त के बाद पश्चिम दिशा में चमकदार शुक्र ग्रह साफ दिखाई दे रहा है, जबकि सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह बृहस्पति भी अपनी पूरी चमक के साथ नजर आ रहा है। शुक्ल पक्ष के चलते बढ़ता हुआ चंद्रमा आकाश की सुंदरता को और आकर्षक बना रहा है। वेधशाला प्रबंधन के अनुसार शिविर में 10 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थी और नागरिक बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। विशेषज्ञ प्रतिभागियों को ग्रहों, तारों और ब्रह्मांड से जुड़ी रोचक जानकारियां दे रहे हैं। साथ ही खगोल विज्ञान के मूल सिद्धांत भी समझाए जा रहे हैं।

8 इंच के टेलिस्कोप से दिख रहा चंद्रमा का धरातल- शिविर के दौरान वेधशाला में स्थापित 8 इंच व्यास वाले शक्तिशाली टेलिस्कोप से चंद्रमा की सतह पर बने विशाल गड्ढे (क्रेटर) और पहाड़ स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा बृहस्पति ग्रह की रंगीन पट्टियों और उसके चारों ओर घूम रहे उपग्रहों का भी अवलोकन कराया जा रहा है। प्रतिभागियों को शुक्र ग्रह की विभिन्न कलाएं भी दिखाई जा रही हैं।

रात 8 बजे से पहले पहुंचना जरूरी- वेधशाला अधीक्षक डॉ. राजेंद्र गुप्त ने बताया कि शुक्र ग्रह आकाश में नीचे की स्थिति में होने के कारण रात 8 बजे के बाद टेलिस्कोप की रेंज से बाहर हो जाता है। ऐसे में शुक्र ग्रह का अवलोकन करने वालों को रात 8 बजे से पहले पहुंचना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि साफ और खुला आसमान होने पर ही आकाशीय पिंडों को स्पष्ट देखा जा सकता है। मौसम खराब होने या बादल छाने की स्थिति में अवलोकन प्रभावित हो सकता है।

20 रुपए शुल्क में मिल रहा करीब से देखने का अवसर- आकाशीय अवलोकन शिविर में शामिल होने के लिए प्रति व्यक्ति 20 रुपए प्रवेश शुल्क रखा गया है। वेधशाला प्रबंधन का कहना है कि आयोजन का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में विज्ञान तथा अंतरिक्ष के प्रति रुचि बढ़ाना है।

अकादमी ने शिप्रा महिमा और शिप्रा स्तोत्रम् ग्रन्थ प्रकाशित किए

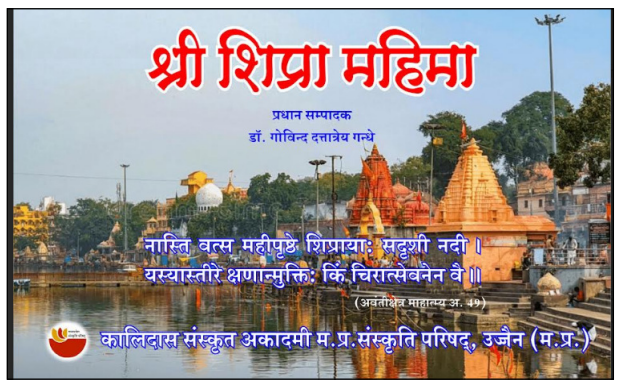

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कालिदास संस्कृत अकादमी ने उज्जयिनी की पहचान मोक्षदायिनी शिप्रा पर दो महत्वपूर्ण पुस्तकों शिप्रा महिमा और शिप्रास्तोत्रम् का प्रकाशन किया है। शिप्रा के महत्त्व को दर्शाने वाले पर इस प्रकार के ग्रन्थों के प्रकाशन की आवश्यकता कई दिनों से अनुभव की जा रही थी।

कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन के निदेशक डॉ. गोविन्द गन्धे ने बताया कि स्कन्द पुराण के अवन्ती क्षेत्र महात्म्य में उज्जयिनी का विस्तार के साथ वर्णन प्राप्त होता है। इसी पुराण में उज्जैन के देवालयों, जलतीर्थों और शिप्रा नदी का विस्तार से वर्णन है। स्कन्द पुराण के आधार पर सन् 1940 में श्री मार्तण्ड नारायण बर्डे के द्वारा मराठी भाषा में श्री शिप्रा नदी महात्म्य नाम से एक लघु पुस्तिका प्रकाशित की थी। चूँकि यह पुस्तक मराठी भाषा में सन् 1940 में प्रकाशित हुई थी और वर्तमान में हिंदी में अनुपलब्ध है। उक्त पुस्तक में शिप्रा नदी की उत्पत्ति की कथाएँ, महत्त्व, शिप्रा परिक्रमा वर्णन आदि का स्कन्द पुराण में विस्तार के साथ विवेचन है। जनसामान्य के लिए इतने महत्त्व की जानकारी संस्कृत मूल श्लोकों के हिन्दी अनुवाद के साथ उपलब्ध हो सके इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन ने मूल स्कन्द पुराण के अंशों के साथ उनका हिन्दी अनुवाद-तथा पूर्व में प्रकाशित मराठी पुस्तिका को भी हिन्दी अनुवाद सहित इस ग्रन्थ में प्रकाशित किया है। साथ ही स्कन्द पुराण के अनुसार अत्यन्त सरल श्लोकों में शिप्रा स्तोत्रम् भी प्रकाशित किया है। इसी पुस्तिका में दो शिप्राअष्टकम् भी प्रकाशित किये गए हैं।

रविवार को संपूर्ण शहर में जल प्रदाय नहीं होगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गंभीर इंटेकवेल पर लगातार पावर कट होने के कारण दिनांक 23/05/26 वार शनिवार को एमपीईबी विभाग द्वारा गंभीर इंटेकवेल फीडर पर प्री मानसून का मेंटेनेंस कार्य करने हेतु शटडाउन लिया जा रहा है जिसके चलते दिनांक 24/05/26 वार रविवार को संपूर्ण शहर में जलप्रदाय नहीं होगा, जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

महापौर द्वारा मार्ग संकेतकों पर से अवैध होर्डिंग्स, फ्लेक्स सख्ती से हटाने हेतु निगम आयुक्त को पत्र लिखा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन शहर धार्मिक स्थल होने से यहाँ पर बाहर से प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रृद्धालुगण आते हैं। आगंतुकों की सुविधा की दृष्टि से शहर में विभिन्न स्थानों पर मार्ग संकेतक लगे हुये हैं। किन्तु यह देखने में आ रहा है कि इन मार्ग संकेतकों पर बिना अनुमति के फ्लेक्स, बेनर एवं होर्डिंग्स लगा दिये जाते हे जिसके कारण शहर की स्वच्छता, सुंदरता एवं छवि धूमिल होती है जिसके क्रम में महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा निगम आयुक्त को पत्र लिखते हुए कहा कि इन मार्ग संकेतकों पर लगे अवैध फ्लेक्स, बैनर या होर्डिंग्स को सख्ती से हटाने की कार्यवाही की जाये एवं भविष्य में इन मार्ग संकेतकों पर यदि अवैध फ्लेक्स, बैनर या होर्डिंग, पाए जाते हैं तो संबंधित पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री यादव आईबीसीए के प्री-समिट इवेंट का करेंगे शुभारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026 के अवसर पर इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस प्री-समिट इवेंट का 22 मई 2026 को शुभारंभ होगा। भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (आईआईएफएम) ऑडिटोरियम, भोपाल में होने वाले इस प्री-समिट इवेन्ट में केंद्रीय पर्यावरण और वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री कीर्ति वर्धन सिंह और वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, मध्यप्रदेश शासन, इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस तथा भारतीय वन प्रबंधन संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं केन्द्रीय मंत्री श्री यादव प्रात:9:50 पर वन विभाग द्वारा आयोजित 20 बाइक एवं एक रेस्क्यू ट्रक को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। कार्यक्रम में जैव विविधता संरक्षण, वन्यजीव संवर्धन तथा विशेष रूप से बिग कैट संरक्षण के विभिन्न आयामों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस के महानिदेशक डॉ. एस.पी. यादव आईबीसीए की गतिविधियों एवं उद्देश्यों पर प्रस्तुति देंगे। साथ ही मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा भारत में चीता पुनर्स्थापन अभियान पर विशेष प्रस्तुति भी दी जाएगी।

कार्यक्रम में जैव विविधता एवं संरक्षण से संबंधित अनेक प्रकाशनों और डिजिटल पहलों का विमोचन एवं लोकार्पण किया जाएगा। इनमें डाक टिकट, 'इंडियाज बायोडायवर्सिटी रिपोर्ट 2026', नागोया प्रोटोकॉल पर भारत की पहली राष्ट्रीय रिपोर्ट तथा एबीएस एंड-टू-एंड वेब पोर्टल शामिल हैं। इसके साथ ही एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग, अमरकंटक बायोडायवर्सिटी हेरिटेज साइट तथा मध्यप्रदेश के पवित्र वनों के संरक्षण पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

इस आयोजन से जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण संतुलन तथा वन्य जीव संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ेगी, साथ ही भारत की प्रतिबद्धता अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित होगी।

बड़े पुल पर हादसा टला: रेलिंग तोड़ हवा में लटकी फायर ब्रिगेड

चालक का संतुलन बिगड़ा, क्रेन और जेसीबी की मदद से निकाला गया वाहन- कुछ देर बाधित रहा यातायात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार सुबह शहर के बड़े पुल पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक फायर ब्रिगेड वाहन अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से जा टकराया। टक्कर इतनी तेज थी कि रेलिंग का हिस्सा टूट गया और वाहन का एक पहिया पुल से बाहर हवा में लटक गया। घटना देखकर मौके पर मौजूद लोगों की सांसें थम गईं। गनीमत रही कि फायर ब्रिगेड नीचे शिप्रा नदी में नहीं गिरी और बड़ा हादसा टल गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह के समय फायर ब्रिगेड तेज रफ्तार में पुल से गुजर रही थी। इसी दौरान अचानक चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और वाहन सीधे रेलिंग से जा भिड़ा। जोरदार टक्कर के बाद पुल की रेलिंग क्षतिग्रस्त हो गई और वाहन आधा पुल के किनारे पर अटक गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा। सुरक्षा के लिहाज से पुल पर कुछ समय के लिए यातायात रोक दिया गया। बाद में क्रेन और जेसीबी की मदद से काफी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड वाहन को सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

पुल की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर उठे सवाल- घटना के बाद एक बार फिर बड़े पुल की सुरक्षा व्यवस्था और रेलिंग की मजबूती को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल इस पुल पर पहले भी कई गंभीर हादसे हो चुके हैं। बारिश के दौरान यहां एक कार शिप्रा नदी में गिर गई थी, जिसमें थाना प्रभारी सहित दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई थी, जबकि एक महिला पुलिसकर्मी का शव चार दिन बाद बरामद हुआ था।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल पर लगातार हादसे होने के बावजूद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और मजबूत सुरक्षा बैरियर की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक ठोस कदम नहीं उठाए गए।

घटना के बाद लोगों की लगी भीड़- फायर ब्रिगेड को पुल की रेलिंग से लटका देख राहगीरों और आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। कई लोग मोबाइल से वीडियो बनाते नजर आए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को दूर हटाया और यातायात सामान्य कराया।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन

नेता बोले, राजीव गांधी ने देश में आईटी और दूरसंचार क्रांति की मजबूत नींव रखी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर बुधवार को शहर कांग्रेस ने पिपली नाका स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी को आधुनिक भारत का दूरदर्शी नेता बताते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं मंच से केंद्र सरकार को महंगाई, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और आम जनता से जुड़े मुद्दों पर जमकर घेरा गया।

जीवाजीगंज ब्लॉक कांग्रेस एवं जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विधायक एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश परमार, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, वरिष्ठ नेता मनोहर बैरागी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राजीव गांधी के योगदान को याद किया। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने देश को नई तकनीक और आधुनिक सोच की दिशा दी। सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार क्षेत्र में जो क्रांति आज दिखाई देती है, उसकी मजबूत नींव राजीव गांधी के कार्यकाल में रखी गई थी। वक्ताओं ने कहा कि पंचायतों को अधिकार देकर उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत किया और युवाओं को राजनीति व विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया।

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम आदमी परेशान है। पेट्रोल-डीजल के दामों ने जनता की कमर तोड़ दी है, लेकिन सरकार राहत देने के बजाय सिर्फ घोषणाओं में व्यस्त है। नेताओं ने आरोप लगाया कि बेरोजगारी और आर्थिक दबाव के कारण आम परिवारों की स्थिति लगातार खराब हो रही है। इस अवसर पर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष रवि राय, कांग्रेस पार्षद, ब्लॉक अध्यक्ष और विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

चार पहिया वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर रोड पर चार पहिया वाहन ने बाइक सवार वृद्ध को टक्कर मार दी। गंभीर घायल वृद्ध को अस्पताल लाया जाता उससे पहले मौत हो गई। चरक अस्पताल में परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने शव पोस्टमार्टम कक्ष में रखवाया। गुरुवार सुबह मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया है। इंगोरिया के ग्राम दंगवाड़ा में रहने वाले 60 वर्षीय राधेश्याम पिता कनीराम जाट को रामवासा में तीर्थ यात्रा से लौटते रिश्तेदारों के यहां लकड़ी पूजन कार्यक्रम में शामिल होने आये थे। शाम को कार्यक्रम खत्म होने पर वह बाइक से इंगोरिया जाने के लिये निकले। परिवार की महिलाओं को कार से रवाना किया गया। बाइक से जा रहे राधेश्याम रामवासा और पंथपिपलाई के बीच पहुंचे थे, उसी दौरान तेजगति से आये चार पहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। बाइक घीसती हुई काफी दूर तक गई और राधेश्याम सिर में गंभीर चोंट लगने पर लहूलुहान हो गये। कार में सवार रिश्तेदारों को दुर्घटना का पता चला तो उन्होने कार रोकी और अन्य रिश्तेदारों को सूचना दी। इस बीच दुर्घटना की जानकरी लगने पर एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई थी। राधेश्याम जाट को चरक अस्पताल लाया गया, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद शव को पोस्टमार्टम कक्ष भेज दिया। ड्युटी कम्पाउंडर द्वारा मामले की सूचना नानाखेड़ा थाना पुलिस को दी गई है। गुरूवार सुबह मृतक राधेश्याम का पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जा रहा था कि चार पहिया वाहन कार थी, जो टक्कर मारने के बाद मौके से भाग निकली थी। मृतक राधेश्याम जाट खेती किसानी का काम करते थे। मामले की जानकारी लगने पर काफी संख्या में परिवार के लोगों चरक अस्पताल पहुंच गये थे। पुलिस द्वारा मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरे देखकर कार की तलाश कर रही है।

बगीचे के पास मिली इलेक्ट्रीशियन की लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरुवार सुबह मणिनगर क्षेत्र में बगीचे के समीप से एक व्यक्ति की लाश मिली जिसकी पहचान इलेक्ट्रीशियन के रूप में हुई है। मृतक एसी रिपेयरिंग का काम करता था और शराब पीने का आदी था। पुलिस ने मामले की सूचना परिजनो को देकर शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि सुबह कुछ लोगों ने सूचना दी थी कि बगीचे के समीप एक व्यक्ति की लाश पड़ी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की और मृतक की पहचान के प्रयास के लिए आसपास के लोगों को बुलाया तो मृतक का नाम योगेश पिता जयदयाल शर्मा 50 साल निवासी मणिनगर होना सामने आया। परिजनों के आने पर पता चला कि मृतक योगेश एसी रिपेयरिंग का काम करता था और दो बच्चों का पिता होकर शराब पीने का आदी था। नशे में आए दिन पत्नी से मारपीट करता था जिसके चलते कुछ साल पहले पत्नी उसे छोड़कर बच्चों को लेकर ऋषिनगर क्षेत्र में रहने चली गई थी। योगेश दो-चार दिन में बच्चों से मिलने जाता था। चार दिन पहले भी वह बच्चों से मिलने ऋषिनगर पहुंचा था लेकिन नशे में होने की वजह से नाले में गिर गया था जिसे लोगों की मदद से बाहर निकाला गया था। पुलिस के अनुसार लाश मिलने पर मृतक के शरीर पर चोट के निशान नहीं पाए गए हैं। संभावना है कि भीषण गर्मी और अधिक शराब पीने से उसकी मौत हुई है जिसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा।

महाकाल की भस्म आरती में पहुंचे फिल्म अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत और अभिनेत्री मोनालिसा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में गुरुवार तड़के आयोजित भस्म आरती में भोजपुरी फिल्म जगत के अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत और अभिनेत्री मोनालिसा ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। दोनों कलाकारों ने नंदी हॉल से भस्म आरती में शामिल होकर पूजन-अर्चन किया और मंदिर की आध्यात्मिक परंपरा का अनुभव लिया।

दर्शन के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए अभिनेता विक्रांत सिंह राजपूत का बयान चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने कहा कि महाकाल की भस्म आरती और साक्षात दर्शन का अनुभव शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, लेकिन यह जरूर कहूंगा कि वीआईपी होकर दर्शन करने में मजा तो बहुत आता है। अभिनेता के इस बयान के बाद मंदिर परिसर और सोशल मीडिया पर भी चर्चा शुरू हो गई। आम श्रद्धालुओं की लंबी कतारों और वीआईपी दर्शन व्यवस्था को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में अभिनेता का यह बयान लोगों के बीच अलग-अलग प्रतिक्रियाएं पैदा कर रहा है। दोनों कलाकारों ने भगवान महाकाल से देश और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना भी की। मंदिर प्रशासन की ओर से उन्हें विधिवत दर्शन व्यवस्था कराई गई।

सोने के लालच में व्यापारी से 10 लाख की धोखाधड़ी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सस्ते सोने के लालच में उलझे व्यापारी के साथ 10 लाख की धोखाधड़ी हो गई मामला पुलिस के पास पहुंचने पर धोखाधड़ी से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार का रिमांड पर लिया गया है। दूसरे आरोपी की तलाश में पुलिस गुजरात के कच्छ गई हुई है।

माधवनगर थाना पुलिस ने बताया कि सेठीनगर में रहने वाले व्यापारी अजय जाधव ने शिकायत दर्ज कराकर बताया कि वर्ष 2023 में वह मुम्बई गया था, जहां उसकी मुलाकात राज नामक युवक से हुई थी। जिसने खुद को गुजरात के कच्छ भुज का रहने वाला बताया था और कहाकि उसके पास कस्टम का गोल्ड आता है। जिसे सस्ते में दिलवा देगा। इसी के चलते उसकी बातों में आ गया। उज्जैन लौटने पर संपर्क में रहा, लेकिन कस्टम का इशु चलने की बात कहकर गोल्ड भेजने से मना करता रहा। कुछ समय पहले उसने गोल्ड भेजने की बात कहीं और कुछ रूपयों का ऑनलाइल ट्रांजेक्शन करा लिया। कुछ समय पहले राज ने रोहित को उज्जैन भेजा और 7.62 लाख रूपये मंगवाये। रूपये देने के बाद रोहित लौट गया। 18 मई को रोहित एक डिब्बा लेकर आया और उसमें गोल्ड होने की बात कहकर डिब्बा दिया। जिसके बाद वह चला गया, लेकिन डिब्बा खोला तो वह मिठाई का था, जिसमें कलाकंद रखा हुआ था। करीब 10 लाख देने के बाद डिब्बे में मिठाई निकलने पर रोहित की तलाश शुरू की गई और उसके पकड़ा गया है। एएसआई गौतम के मुताबिक मामला धोखाधाड़ी का होने पर प्रकरण दर्ज किया गया और रोहित का पूछताछ के लिये हिरासत में लिया गया। जिसे न्यायालय में पेश कर 6 दिनों की रिमांड पर लिया गया है। इस दौरान सामने आया कि रोहित का पूरा नाम रोहित उर्फ अंकुर पिता प्रदीप भाई जोशी निवासी कच्छ गुजरात है। वह राज का साथी है। पुलिस टीम उसे राज की तलाश में गुजरात लेकर गई है।

25 एवं 26 मई को गंगा दशमी के अवसर पर निकाली जाएगी क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के सानिध्य में प्रतिवर्ष निकाले जाने वाली क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा इस वर्ष भी गंगा दशमी के अवसर पर 25 एवं 26 मई को निकाली जाएगी। क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा में सम्मिलित होने वाले श्रृद्धालुओं की सुविधा एवं सफाई व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देशानुसार परिक्रमा मार्ग पर निगम से संबंधित आवश्यक कार्यों को पूर्ण किया गया है, जिसके अंतर्गत यात्रा मार्ग की विशेष साफ सफाई, मरम्मत एवं पेंचवर्क कार्य, मार्ग की धुलवाई का कार्य, सौंदर्य करण को दृष्टिगत रखते हुए रंगाई पुताई, अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा के अन्तर्गत सम्पूर्ण यात्रा मार्ग जो की निगम सीमा में आता है वहां विशेष रूप से मॉनिटरिंग करते रहे ताकि परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या ना आए इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों को भी तैनात किया गया है जो अपने अधीनस्थ स्टाफ के साथ निगरानी का कार्य करेंगे व्यवस्था के अंतर्गत जनसंपर्क विभाग, स्वास्थ्य, उद्यान, प्रकाश, शिल्पज्ञ, पीएचई, अन्य कर, पशु गैंग, फायर, वर्कशॉप विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

सिंहस्थ के काम देखने निकले जनप्रतिनिधि

अफसरों को निर्माण में तेजी लाने के निर्देश- मेडिसिटी सहित कई प्रोजेक्ट का किया निरीक्षण

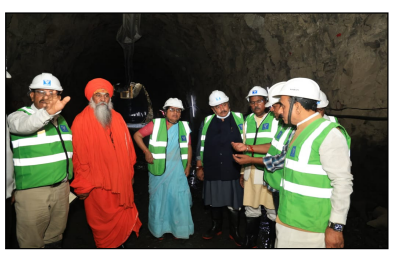

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों का जायजा लेने गुरुवार सुबह जनप्रतिनिधियों और अफसरों की टीम शहर के विभिन्न निर्माण कार्यों के निरीक्षण पर निकली। दो बसों में सवार होकर निकली टीम ने शिप्रा तट पर बन रहे घाट, ब्रिज, पार्किंग और मेडिसिटी सहित कई परियोजनाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों ने अधिकांश कामों पर संतोष जताते हुए निर्माण एजेंसियों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सुबह सर्किट हाउस से दौरा शुरू हुआ। निरीक्षण दल में सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सांसद उमेशनाथ महाराज, यूडीए अध्यक्ष रवि सोलंकी, महापौर मुकेश टटवाल, निगम सभापति कलावती यादव, संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दल सबसे पहले शनि मंदिर क्षेत्र पहुंचा, जहां बनाए जा रहे नए घाट का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इसे आदर्श घाट के रूप में विकसित किया जा रहा है। घाट की डिजाइन, सौंदर्यीकरण और निर्माण कार्य देखकर जनप्रतिनिधियों ने संतोष जताया और इसकी सराहना की।

इसके बाद टीम कान्ह डायवर्शन डक्ट परियोजना देखने पहुंची। यहां निर्माण की प्रगति की जानकारी ली गई। इसके साथ ही लाल पुल के पास बन रहे नए ब्रिज, घाट निर्माण, कर्कराज पार्किंग और भूखी माता क्षेत्र में शिप्रा नदी पर बन रहे पुल का भी निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण दल ने मंगलनाथ और अंगारेश्वर क्षेत्र में बन रहे नए शिप्रा तट तथा सिद्धवट-अंगारेश्वर ब्रिज का भी जायजा लिया। अधिकारियों ने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी लक्ष्य की जानकारी जनप्रतिनिधियों को दी। दौरे के अंतिम चरण में टीम दोपहर बाद आगर रोड स्थित चरक अस्पताल के पास निर्माणाधीन मेडिसिटी पहुंची। यहां मेडिकल सुविधाओं और प्रस्तावित विकास कार्यों की जानकारी ली गई। जनप्रतिनिधियों ने सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए सभी प्रोजेक्ट समय पर पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

निगम अध्यक्ष यादव द्वारा वार्ड 54 में 94 लाख की लागत से होने वाले निर्माण कार्यों का भूमिपूजन संपन्न किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वार्ड क्रमांक 54 की क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती सुगन बाबूलाल बाघेला के प्रयासों से क्षेत्र में नगर निगम द्वारा राशि रुपए लगभग 94 लाख रुपए की लागत से किए जाने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमि पूजन निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री डॉ रवि सोलंकी, महामंत्री श्री आनंद सिंह खींची, कोषाध्यक्ष श्री प्रकाश यादव, मंडल अध्यक्ष श्री परेश कुलकर्णी की उपस्थिति में संपन्न किया गया उल्लेखनीय है कि वार्ड क्रमांक 54 हामूखेड़ी स्थित राम मंदिर से शंकर पेंटर के घर तक लगभग 03 किलोमीटर लंबे मार्ग पर नगर निगम द्वारा निगम मद की राशि रुपए लगभग 94 लाख की लागत से सीमेंट कांक्रीट रोड, नाली निर्माण एवं रिटर्निंग वॉल का कार्य किया जाएगा जिससे क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी साथ ही बारिश में जल भराव की समस्या से निजात मिलेगी।